राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 11 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–291 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुदरत ने दिल्ली-एनसीआर को दिया दिवाली गिफ्ट, AQI देखकर हो जाएंगे खुश; आगे कैसा रहेगा हाल

नई दिल्ली। जहरीली हवा से हलकान दिल्ली-NCR को कुदरत ने दिवाली का गिफ्ट दिया है। शुक्रवार सुबह अचानक हुई बारिश की वजह से पलूशन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली-एनसीआर के अधिकतर इलाकों में जहां एक दिन पहले एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 से अधिक था तो आज सुबह कई जगह यह 100 से नीचे आ गया। आज दिनभर बूंदाबांदी का दौर जारी रह सकता है जिससे हवा की गुणवत्ता में और सुधार का अनुमान है। बारिश के बाद सुबह कनॉट प्लेस में इनर सर्किल के पास एक्यूआई महज 85 दर्ज किया गया, जबकि कल यहां करीब 400 दर्ज किया गया था। पंजाबी बाग तो एक्यूआई महज 72 रिकॉर्ड किया गया। सोनिया विहार में एक्यूआई 174 रहा। जिस आनंद विहार में अक्यूआई 999 तक पहुंच गया था वहां बारिश के बाद यह महज 162 रहा। आरके पुरम में 142 दर्ज किया गया। ओखला में 436 से गिरकर 99 पर पहुंच गया। द्वारका में 414 से घटकर 102 रह गया तो शादीपुर में एक्यूआई 464 से कम होकर 122 रह गया। मंदिर मार्ग पर यह महज 68 था। दिल्ली के साथ ही नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी बारिश के बाद हवा बेहतर हो गई है। दिल्ली सरकार प्रदूषण को देखते हुए कृत्रिम बारिश कराने पर विचार कर रही थी। 20 नवंबर के आसपास आईआईटी कानपुर की मदद से कृत्रिम बारिश का प्लान तैयार किया जा रहा था। लेकिन आज सुबह अचानक मौसम ने करवट ले ली। दिल्ली-एनसीआर में काले बादल घिर आए। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई तो कई जगह झमाझम बारिश हुई। शुक्रवार के दिन हल्की बूंदाबांदी का दौर रह सकता है। शनिवार और रविवार को तेज हवा चलने का अनुमान है। स्काईमेट के वाइस प्रेसिडेंट महेश पलावत ने पीटीआई से बातचीत में मौसम के अनुमान को लेकर कहा, बारिश तो आज बंद हो जाएगी, लेकिन कल से उत्तरी-पूर्वी हवा चलेगी जो अगले 2 से 4 दिन तक कायम रह सकती है। इसकी वजह से एयर क्वालिटी इंडेक्स मध्यम से खराब दर्जे में रह सकता है। प्रदूषण से राहत मिलेगी लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। दिल्ली-एनसीआर के लोग सुबह उठे तो उन्होंने मौसम के बदले मिजाज से राहत की सांस ली। प्रदूषण के गंभीर स्थिति में पहुंच जाने की वजह से लोगों को सांस संबंधित कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

एससी कोटे में भी सब-कोटा की तैयारी, इस जाति के लिए पीएम मोदी करेंगे बड़ा ऐलान

- तेलंगाना में दलितों में 60 फीसदी आबादी मडिगा समुदाय की है। इसके अलावा 20 से 25 सीटों पर ये निर्णायक स्थिति में हैं। माना जा रहा है कि पीएम मोदी उप कोटा का ऐलान कर सकते हैं।

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार अभियान तेज हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को तेलंगाना में रैली करने वाले हैं। पीएम मोदी के इस दौरे से पहले ही मडिगा समुदाय को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी मडिगा समुदाय को तोहफा दे सकते हैं। वह अनुसूचित जाति में सब कैटगरी बनाने का ऐलान कर सकते हैं।

कितना मायने रखता है मादिका समुदाय

तेलंगाना में अनुसूचित जाति की जनसंख्या में सबसे ज्यादा 60 फीसदी हिस्सेदारी मडिगा समुदाय की है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 20 से 25 विधानसभा सीटों पर मडिगा ही परिणाम का फैसला करते हैं। इन विधानसभा सीटों में मडिगा समुदाय सबसे ज्यादा है। इसके अलावा 4-5 सीटें ऐसी हैं जहां यह समुदाय दूसरे नंबर पर है।

एससी कैटिगरी में सब कैटिगरी बनाने की मांग इसलिए तेज हुई क्योंकि मडिगा समुदाय का कहना है कि उनके लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वे काफी पिछड़े हैं और दूसरे वर्ग उनके हिस्से का आरक्षण भी ले लेते हैं। इस पूरे मामले को मडिगा रिजर्वेशन पोराता समिति भी देख रही है। बीते महीने एमआरपीएस के संस्थापक मांडा कृष्णा मडिगा ने गृह मंत्री एमित शाह से मुलाकात की थी और अनुसूचित जाति में सब कैटिगरी बनाने का आग्रह किया था। उन्होंने बाद में दावा किया कि भाजपा की तरफ से उनको सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

तेलंगाना में अनुसूचित जाति की जनसंख्या में सबसे ज्यादा 60 फीसदी हिस्सेदारी मडिगा समुदाय की है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 20 से 25 विधानसभा सीटों पर मडिगा ही परिणाम का फैसला करते हैं। इन विधानसभा सीटों में मडिगा समुदाय सबसे ज्यादा है। इसके अलावा 4-5 सीटें ऐसी हैं जहां यह समुदाय दूसरे नंबर पर है। ससी कैटिगरी में सब कैटिगरी बनाने की मांग इसलिए तेज हुई क्योंकि मडिगा समुदाय का कहना है कि उनके लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

मडिगा ने कांग्रेस का दिया था साथ

उन्होंने कहा था, हमें उम्मीद हैकि प्रधानमंत्री मोदी परेड ग्राउंट की जनसभा में एससी सबकैटिगराइजेशन का ऐलान कर देंगे और इसके बाद संसद में भी कानून बनाएंगे। इस मीटिंग के परिणाम पर ही निर्भर करता है कि हम लोग किसको समर्थन देने वाले हैं। बता दें कि अगर मडिगा समुदाय भाजपा को समर्थन देता है तो बीआरएस की दलित बंधु स्कीम उसके काम नहीं आएगी 2018 में मडिगा समुदाय ने कांग्रेस का खुलकर साथ दिया था। हालांकि इस बार अब तक इस समुदाय ने मुंह नहीं खोला है कि वे किसके साथ हैं। सूत्रों का कहना है कि भाजपा सब कैटिगराइजेशन के लिए तैयार हो गई है। एमआरपीएस के तेलंगाना अध्यक्ष गोविंद नरेश माडिगा ने कहा कि 2014 के समग्र कुटुंब सर्वे के मुताबिक तेलंगाना में 46 लाख माडिगा हैं और 21 लाख माला हैं।

गोरखपुर में भीषण सड़क हादसा, खड़ी बस में ट्रक ने मारी टक्कर, 6 की मौत

गोरखपुर। गोरखपुर-कुशीनगर हाईवे पर जगदीशपुर के पास गुरुवार देर रात करीब 11 बजे सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी बस में टक्कर मार दी। दुर्घटना में छह बस यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 26 यात्री घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज भेजा गया है। इनमें से भी कई की स्थिति गंभीर है। दुर्घटना की सूचना पर एसपी सिटी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

बताया जा रहा है कि गोरखपुर से एक अनुबंधित बस सवारियों को लेकर कुशीनगर के पडरौना जा रही थी। जगदीशपुर के मल्लपुर के पास बस का पहिया पंक्चर हो गया। बस को सड़क के किनारे खड़ी करके चालक और कंडक्टर दूसरी बस में सवारियों को बैठा रहे थे। कुछ सवारियां बस में बैठ गई थीं जबकि कुछ दोनों बसों के बीच खड़ी थीं। इसी बीच एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए । उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन अन्य की भी मौक हो गई। कई अन्य यात्रियों की हालत भी गंभीर है। उधर, दुर्घटना के बाद अफसरों ने सदर अस्पताल और मेडिकल कालेज के डॉक्टरों को अलर्ट किया। भारी संख्या में घायलों के पहुंचने पर डॉक्टरों को बुला लिया गया है। दुर्घटनास्थल पर पहुंची पांच एंबुलेंस से घायलों को सदर और मेडिकल कालेज ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि बस में 30 से ज्यादा लोग सवार थे।

6 में तीन मृतक कुशीनगर के रहने वाले

नितीश सिंह (25) पुत्र अशोक सिंह निवासी मदरहा, हाटा कोतवाली, कुशीनगर

सुरेश चौहान (35) पुत्र जवाहिर चौहान, निवासी रूदौलिया, थाना तुर्कपट्टी, कुशीनगर

हिमांशु यादव (24) पुत्र बनारसी यादव, निवासी मिश्रीपट्टी पडरौना, कुशीनगर

शैलेष पटेल (इसके बारे में अभी पता नहीं चल सका है)

संजय सिंह की जेल में मनेगी दिवाली या निकलेंगे बाहर, होने वाला है बड़ा फैसला

नई दिल्ली। शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किए गए आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को क्या जमानत मिल पाएगी? क्या वह दिवाली घर पर मना पाएंगे? या फिर उनकी दिवाली जेल में ही मनेगी? इन सवालों का जवाब शुक्रवार को राउज ऐवेन्यू कोर्ट से मिलने वाला है। संजय सिंह को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले संजय सिंह को 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश किया गया था। तब अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए 10 नवंबर तक के लिए जेल में भेज दिया था। तब कोर्ट ने उन्हें पारिवारिक खर्च के लिए दो चेक साइन करने की अनुमति दी थी। संजय सिंह को ईडी ने 4 अक्टूबर को उनके आवास से गिरफ्तार किया था। उनके आवास पर छापेमारी और करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 8 दिन तक ईडी रिमांड पर रहने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। संजय सिंह ने अपनी गिरफ्तारी को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। जमानत के लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है। संजय सिंह को दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया गया था। इसी केस में आम आमदी पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। सिसोदिया फरवरी से ही जेल में बंद हैं। ईडी का दावा है कि विवादित शराब नीति में संजय सिंह की भी अहम भूमिका थी और उन तक रिश्वत की रकम पहुंची थी। हालांकि, दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए केंद्र सरकार पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया है।

तब अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए 10 नवंबर तक के लिए जेल में भेज दिया था। तब कोर्ट ने उन्हें पारिवारिक खर्च के लिए दो चेक साइन करने की अनुमति दी थी। संजय सिंह को ईडी ने 4 अक्टूबर को उनके आवास से गिरफ्तार किया था। उनके आवास पर छापेमारी और करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 8 दिन तक ईडी रिमांड पर रहने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और अनुराग ठाकुर ने दी धनतेरस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सूचना एवं प्रसारणमंत्री अनुराग ठाकुर ने पिछले कुछ माह से त्योहारों की उमंग में डूबे देशवासियों को धनतेरस की शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने ईश्वर से कामना की है कि लोग सदैव स्वस्थ और संपन्न रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा है, देश के मेरे सभी परिवारजनों को आरोग्य एवं सुख-समृद्धि के प्रतीक पर्व धनतेरस की बहुत-बहुत बधाई। मेरी कामना है कि भगवान धन्वंतरि की कृपा से आप सभी सदैव स्वस्थ, संपन्न और प्रसन्न रहें, जिससे विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा मिलती रहे। इस पावन पर्व पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा है, समस्त देशवासियों को धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएं। धनतेरस का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, संपन्नता और सौभाग्य लाए। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारणमंत्री अनुराग ठाकुर ने एक्स पर कहा है, धनतेरस के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मां लक्ष्मी की कृपा से आपके जीवन में सुख-शांति-समृद्धि का का वास हो। भगवान धन्वंतरि की कृपया से आप आरोग्यवान हों। यही प्रार्थना है। पौराणिक मान्यता के अनुसार आयुर्वेद के प्रवर्तक

श्री धन्वंतरि, भगवान विष्णु के अवतार हैं। इनका पृथ्वीलोक में अवतरण समुद्र मंथन के समय हुआ। दीपावली से दो दिन पूर्व भगवान धन्वंतरि का अवतरण धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

देश में हिंदुओं की वजह से लोकतंत्र कायम, पर अब बढ़ रही असहिष्णुता-जावेद अख्तर

नई दिल्ली। गीतकार जावेद अख्तर ने दिवाली पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिंदू संस्कृति में सहिष्णुता की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में यदि लोकतंत्र कायम है तो इसकी वजह हिंदू संस्कृति ही है। उन्होंने कहा कि यह सोचना कि हम ही सही हैं और दूसरे लोग गलत हैं, यह हिंदू संस्कृति का हिस्सा नहीं है। हालांकि उन्होंने इस दौरान यह भीकहा कि अब असहिष्णुता बढ़ रही है, लेकिन देश में लोकतंत्र भी इसी वजह से कायम है क्योंकि हिंदू संस्कृति सहिष्णुता वाली है। वह महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे की ओर से आयोजित कार्यक्रम दीपोत्सव में हिस्सा ले रहे थे। इस दौरान उनके साथ मंच पर सलीम खान भी मौजूद थे। दोनों लेखक लंबे समय बाद एक मंच पर नजर आए, जबकि एक दौर में दोनों के बीच मतभेद की खबरें भी आई थीं। सलीम-जावेद की जोड़ी ने शोले जैसी सुपरहिट फिल्म की पटकथा लिखी थी। जावेद अख्तर ने इस मौके पर असहिष्णुता बढ़ने का दावा किया। उन्होंने कहा, आज जो फिल्में बन

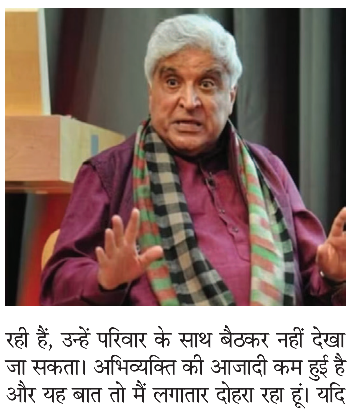

रही हैं, उन्हें परिवार के साथ बैठकर नहीं देखा जा सकता। अभिव्यक्ति की आजादी कम हुई है और यह बात तो मैं लगातार दोहरा रहा हूं। यदि आज हम शोले लिख रहे होते तो मंदिर में अभिनेत्री के साथ धर्मेंद्र के डायलॉग्स पर बवाल मच जाता। इसी तरह संजोग फिल्म में ओमप्रकाश जिस तरह गानों में कृष्ण और सुदामा की कहानी सुनाते हैं, क्या आज वैसा हो सकता है।

हिंदुओं की सोच विशाल, यही खासियत; क्या अब छोड़ देंगे विरासत?

अकसर राजनीतिक मसलों पर मुखरता से बोलने वाले जावेद अख्तर ने कहा, असहिष्णुता आज बढ़ रही है। पहले कुछ लोग होते थे, जो असहिष्णु थे। हिंदू वैसे नहीं थे। हिंदुओं की सबसे बड़ी खासियत यही रही है कि उनकी सोच विशाल रही। यदि यह खासियत खत्म हो गई तो वे भी दूसरे लोगों की तरह हो जाएंगे। ऐसा नहीं होना चाहिए। हमने तो आपसे ही जीना सीखा है, लेकिन क्या हिंदू ही उन मूल्यों को छोड़ देंगे? उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में लोकतंत्र कायम है और इसे बनाए रखने में हिंदू संस्कृति ने मदद की है।

भारत से निकलो तो भूमध्यसागर तक दूसरा लोकतांत्रिक देश नहीं

वह कहते हैं कि आगे देखते हैं कि क्या होता है। फिलहाल तो आप भारत से निकलें तो भूमध्यसागर तक कोई दूसरा देश ऐसा नहीं है, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था हो। यहां लोकतंत्र इसलिए है क्योंकि जो जैसा चाहे सोच सकता है। जो मूर्ति पूजा करता है, वह भी हिंदू है। जो नहीं करता है, वह भी हिंदू है। यदि कोई एक ही देवता को मानता है तो वह भी हिंदू है। दूसरा यदि 32 करोड़ देवताओं को मानता है तो वह भी हिंदू है। यदि कोई किसी की भी पूजा नहीं करता तो भी वह हिंदू है। यही हिंदू संस्कृति है, जो हमें लोकतांत्रिक मूल्य देती है। उसी की वजह से इस देश में लोकतंत्र जिंदा है।

ऑड-ईवन को एससी ने बताया 'दिखावा', दिल्ली सरकार ने हलफनामे में गिनाए फायदे

नई दिल्ली। ऑड-ईवन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से सवाल उठाए जाने के बाद दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा दायर करके इसका बचाव किया है। सरकार ने इस फॉर्मूले को सही ठहराते हुए इसके कई फायदे बताए हैं। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा है कि उसने इस पर खुद कोई स्टडी नहीं की है, बल्कि कुछ अन्य एजेंसियों की ओर से किए गए सर्वे का हवाला दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से ऑड-ईवन को दिखावा बताए जान के दो दिन बाद केजरीवाल सरकार ने यह हलफनामा दाखिल किया है। इसमें यह भी कहा गया है ऑड-ईवन की वजह से सड़कों पर लगने वाले जाम में भी कमी आई। दिल्ली सरकार की ओर बताया गया है कि ऑड-ईवन के दौरान सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल बढ़ा और ईंधन खपत में 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सरकार ने कहा, डीटीएमटीएस रिपोर्ट के नतीजे सकारात्मक संकेत देते हैं कि ऑड-ईवन के दौरान वाहनों की वजह से होने वाले वायु प्रदूषण में कमी दर्ज की गई। इसके अलावा सड़कों

पर लगने वाले जाम में कमी आई और सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल में इजाफा हुआ। दिल्ली सरकार ने दिल्ली से बाहर पंजीकृत टैक्सियों पर रोक क्यों नहीं लगाई? इस सवाल के जवाब में अरविंद केजरीवाल सरकार ने जवाब दिया है कि पूर्ण प्रतिबंध संभव नहीं है। हालांकि, ईंधन के प्रकार के आधार पर प्रतिबंध पर विचार किया जा सकता है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता गंभीर स्थिति में पहुंचने के बाद अरविंद केजरीवाल सरकार ने 13 से 20 नवंबर तक ऑड-ईवन स्कीम का ऐलान किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट से इस पर सवाल उठाए जाने के बाद सरकार ने फिलहाल इसे टाल दिया है। बुधवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की समीक्षा के बाद इस पर कोई फैसला लिया जाएगा। ऑड-ईवन के तहत एक चार पहिया वाहनों को नियंत्रित किया जाता है। ऑड डेट पर ऐसे वाहनों को चलने की अनुमति होती है, जिनके नंबर का आखिरी अंक, 1,3,5,7 और 9 होता है, जबकि ऑड डेट पर 0,2,4,6,8 नंबर वाले वाहनों को चलने की छूट होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नेताओं के साथ न्याय

सांसदों, विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए देश के सर्वोच्च न्यायालय का नया निर्देश सुखद और स्वागतयोग्य है। न्यायालय ने उच्च न्यायालयों को सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों की निगरानी के लिए विशेष पीठ गठित करने का निर्देश भी दिया है। अदालतों से कहा गया है कि दुर्लभ और बाध्यकारी कारणों को छोड़कर ऐसे मुकदमों की कार्यवाही कतई स्थगित न करें। न्यायालय का यह निर्देश उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों व विशेष न्यायालयों के लिए आया है। इन्हीं अदालतों में जन-प्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई होती है और यह बहुत दुखद है कि सुनवाई पूरी होने में वर्षों लग जाते हैं। भ्रष्टाचार या अपराध करने वाले प्रतिनिधि भी सुस्त अदालती कार्यवाही के चलते बार-बार चुनाव जीतते रहते हैं और सदनों में आते रहते हैं। ऐसा लगता है, ज्यादातर न्यायमूर्ति आमतौर पर नेताओं के खिलाफ चलने वाले मामलों को अधिक महत्व नहीं देते हैं। ऐसे में, उनके खिलाफ चलने वाले गंभीर मामलों की चर्चा समाज में जरूरत से कम होती है। अगर अदालतें उच्च स्तर पर अपराध के खिलाफ पूरी तरह सजग रहें, तो राजनीति का दामन निश्चित रूप से ज्यादा स्वच्छ हो सकेगा। देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा जारी निर्देश की रोशनी में पूरी न्यायपालिका बिरादरी को सक्रिय हो जाना चाहिए। नेताओं के खिलाफ शिकायत करने वालों की पीड़ा को समझना जरूरी है। सुनवाई में ज्यादा समय लगता है, तो शिकायत करने वाले को ज्यादा भय व तकलीफ से गुजरना पड़ता है। अनेक मामलों में इतनी देरी हो जाती है कि सुनवाई और फैसले का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता है। अनेक मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के अभाव में शिकायत की फाइलें भी आलमारियों में खो जाती हैं। अगर न्यायाधीश सांसदों और विधायकों के मामलों का स्वतः संज्ञान लेने लगेंगे, तो वाकई देश में न्याय वितरण में यथोचित तेजी आएगी। ऐसे मामलों को न्यायालयों की वेबसाइट पर भी अलग से रेखांकित किया जाएगा, जिससे पता चलेगा कि किसके खिलाफ किस मामले में कब मुकदमा दर्ज हुआ और सुनवाई की क्या स्थिति है। सुनवाई में क्यों समय लग रहा है, स्पष्ट होना चाहिए। किसी मामले में अनावश्यक रूप से देरी हो रही है, तो लोगों को इसका भी पता चलना चाहिए। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के ये निर्देश एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आए हैं। 14 नवंबर, 2022 की एमिकस क्यूरी की नवीनतम रिपोर्टों में से एक के मुताबिक, वर्तमान व पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ 5,175 मामले दर्ज हैं और इनमें से 2,116 आपराधिक मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह बताने की जरूरत नहीं कि नेताओं के खिलाफ मामले घटने के बजाय बढ़ते चले जा रहे हैं। यह कानून के प्रति भय का अभाव है या सेवा में ईमानदारी का टोटा, स्वयं नेताओं को यह जरूर सोचना चाहिए। अंततः राजनीति में अपराध में होने वाली वृद्धि स्वयं नेताओं पर सर्वाधिक भारी पड़ने वाली है। बुनियादी रूप से गांव या कस्बों में जिस तरह की राजनीति होती है, उसी के लक्षण प्रदेश या देश स्तरीय राजनीति में उभरते हैं। मतलब, राजनीतिक सुधार के लिए बिल्कुल जमीनी स्तर पर रोकथाम और त्वरित न्याय के उपाय करने पड़ेंगे, ताकि कोई दागदार नेता कभी विधानसभा या संसद में न रहे।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

भूटान पर चीनी कुदृष्टि को समझे भारत

अभिजीत भट्टाचार्य

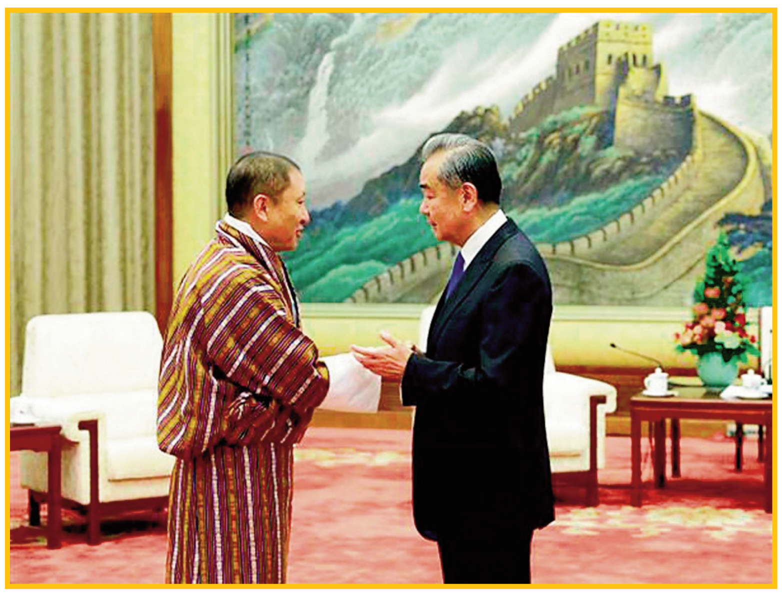

नमकू चो घाटी में ढोला चौकी पर चीनी हमले में मिली शिकस्त और अक्तूबर, 1962 में चीनी तानाशाह माओ ज़दोंग द्वारा भारत को नीचा दिखाना याद है? ढोला क्षेत्र एक तरह से भारत, भूटान और चीन के कब्जे वाले तिब्बत का त्रि-संगम स्थल है। चीनी सेना द्वारा डोकलाम में किया अतिक्रमण याद है? डोकलाम भी भूटान-भारत-तिब्बत का एक त्रि-संगम है। फिर जून, 2020 में गलवान घाटी में, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के जन्मदिन के रोज़, चीनी सैनिकों द्वारा 20 भारतीयों को शहीद करने वाला कुकृत्य याद है? पिछले संदर्भ में देखें तो, क्या भारत को मई, 1967 में नक्सलबाड़ी (पश्चिम बंगाल) में हुई पहली गोलीबारी याद है, जिसमें कई सिपाही मारे गए थे और यह भारत में चीनी मूल के 'जन-स्वतंत्रता युद्ध' की शुरुआत थी। चीन की साम्यवादी पार्टी और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वय द्वारा बनाई और महारत से क्रियान्वित की गई यह लड़ाई, जिसके पैदल सिपाही स्थानीय कारकुन थे, 20 लंबे सालों तक अराजकता पैदा करने के बावजूद ज्यादा परिणाम नहीं दे पाई, परंतु इसमें लगभग 50000 जानों की हानि और सीमांत बंगाल सूबे के सभी प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक पहलू बर्बाद होने के अलावा क्या मिला? भारतीय मीडिया के केवल एक हिस्से ने पिछले महीने भूटान-चीन के बीच हुई वार्ता पर खबरें कीं। पिछले सप्ताह भूटान नरेश की भारत यात्रा शुरू होने से पहले, हांगकांग की 'साऊथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' अखबार ने चीन की ओर भूटान के चिंताजनक झुकाव को लेकर चेताया है। यहां तक कि लेख में भारत को छिपी चेतावनी दी गई है कि भूटान का यह कूटनीतिक कदम क्षेत्रीय राजनयिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। अखबार का यह आकलन एकदम सही है। तेजी से बदली दृश्यावली ने भारतीय प्रतिष्ठानों में खतरे की घंटी बजा डाली। वह निष्ठुर एवं खून के प्यासे ड्रैगन के खून के पंजों की पकड़ भूटान पर बनते देख अंदर तक हिल गया है- यह मंज़र 1950 में आज़ाद तिब्बत पर चीनी कब्जे से पहली बने हालात की याद दिलाता है। 73 साल गुज़र गए लेकिन लोगबाग अभी भी तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चीन की शैतानी चालों को सफल होने देने और भारत की मुसीबतों के लिए मुख्य खलनायक मानते हैं। भारत ने अपना इलाका गंवाया है और आज भी गंवा रहा है। इस तरह अपनी संप्रभुता पर चोट पहुंचाने वाले हमलों का सामना कर रहा है। इस चिंतनीय खबर के बावजूद चीन-भूटान के बीच बनती घनिष्ठता पर भारत के विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया नपी-तुली रही और 'तथ्यात्मक' बयान आया : 'भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के अनूठे रिश्ते हैं, जो आपसी समझ और विश्वास पर टिके हैं।' माना यह सही है, लेकिन आज के दिन वह समय-सिद्ध भारत-भूटान मित्रता और आपसी समझ एवं सहयोग पर टिके उस परस्पर विश्वास पर चीनी चालों से गंभीर खतरा आसन्न है। कदाचित यह स्थिति सदा के लिए बदल जाए। शी जिनपिंग बाजिद हैं कि भूटान की विदेश-नीति निर्धारण में भारत की भूमिका को दरकिनार करके, चीन उसका उसका राजनयिक-दिशानिर्देशक बन जाए। सामान्य वक्त में, किसी को इस पर आपत्ति न होती। लेकिन भारत-चीन के बीच राजनीतिक-कूटनीति द्विपक्षीय संबंधों ने कभी भी सामान्य वक्त नहीं देखा, क्योंकि, चीन की प्रवृत्ति धोखा देने, ठगने, झूठ घड़ने और आक्रामक होने की रही है। भारत और अपने अन्य संप्रभु पड़ोसियों के थलीय-जलीय इलाके में अपना विस्तार करने, बलात हथियाने या कब्जा करने की चीनी कोशिशें, उसकी मंशा का सुबूत हैं, जिसको पूरी दुनिया जानती और मानती है। चीन और भूटान के बीच सीधा संपर्क बनने से पैदा होने वाले खतरे को, सभ्य देशों की आचार संहिता के संबंध में एक कपोल-कल्पना न समझा जाए। इसके पीछे छिपी है असामान्य भू-राजनीतिक और कब्जाने एवं दबाने की भू-आर्थिकी चाल- यह उस नीति का अंग है, जो जिनपिंग ने निरोल रूप से भारत के लिए अपना रखी है। भूटान-चीन के बीच सीधा संपर्क यानी भारत के वजूद के लिए खतरा और बहुत बड़ा भूभाग गंवाने की आशंका। बताया जा रहा है, अपनी बीजिंग यात्रा में भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरज़ी ने चीनी उप-राष्ट्रपति हान झेंग और विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात के बाद चीन से सीमा विवाद पर 'बड़ी प्राप्ति' हासिल की है। उन्होंने चीन के साथ मिलकर काम करने की भूटान की इच्छा दर्शायी है। चीन ने भी भूटान में अपना दूतावास खोलने की पुरानी इच्छा दोहराई है। भारत को अवश्य ही इस कदम का पुरज़ोर विरोध करना चाहिए। भारत के वजूद के चलते चीन भूटान में अपनी उपस्थिति महसूस नहीं करवा सकता। बतौर नीतिगत मामला, भूटान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्यों के साथ (चीन सहित) दूतावास स्तर के राजनयिक संबंध नहीं हैं। इसलिए भूटान द्वारा चीन को राजनयिक पहुंच प्रदान करने से अन्य चार देशों के लिए भी दरवाज़ा खुल जाएगा। संप्रभु भूटान को याद रखना होगा कि हिमालय के पर्यावरणीय रूप से नाज़ुक क्षेत्र में स्थित होने की वजह से वह विदेशियों की बाढ़ के लिए द्वार खोलना गवारा नहीं कर सकता। चीन के प्रवेश के बाद अन्य देशों की आमद होने पर 'स्वर्ग का पुत्र' (शी जिनपिंग) भूटान को नर्क बनाने पर तुल जाएगा। भूटान का भविष्य भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाए रखने में है, जिसकी मंशा न तो अपने पड़ोसियों को बंधुआ बनाने की है न ही उन्हें कर्ज के पहाड़ तले दबाने या जबरदस्ती उनकी जमीन हड़पने की या नस्लकुशी करने की। इसीलिए भारत की नीति सदा एक मिसाल रही है। क्या हमारे समुद्र तट विहीन दो पड़ोसी देश- भूटान और नेपाल- के नागरिकों को भारत आने के लिए पासपोर्ट अथवा वीज़ा लेना पड़ता है? अपने एक अन्य पड़ोसी किंतु दुश्मन राष्ट्र के नागरिकों द्वारा समय-समय पर किए आपराधिक कृत्यों को झेलने के बावजूद भारत चीन के बरक्स भूटान का वैकल्पिक दोस्त नहीं बन सकता। मौजूदा हालात में जिस तरह खतरा मंडरा रहा है, उसको लेकर भारत को आज जितना सतर्क रहने की जरूरत है, इससे पहले कभी नहीं थी। ड्रैगन इस वक्त बहुत तेज़ी में है क्योंकि शी जिनपिंग को और गवारा नहीं है कि भारत एक मातहत न बने जैसा कि उन्होंने अन्य छोटे और कमज़ोर मुल्कों और बीआरआई/सीपीईसी वाले देशों को पिछलग्गू बनाकर किया है। भूटान एशिया का एकमात्र राष्ट्र है जिसके चीन के साथ राजनयिक स्तर के संबंध नहीं हैं, यह बात चीनी राष्ट्रपति के लिए बेइज्जती महसूस करने का सबब बनी हुई है। इसलिए जैसे भी हो, भूटान को भी अपनी छत्रछाया में लेना है और भूटान को हड़पने का यह मंज़र भारत मन-मसोसकर देखे- चीन की सोच का यही लक्ष्य है। चीन को अपने अड़ोस-पड़ोस में दबदबा कायम करने में किसी किस्म की बाधा अब चाहे छोटी या बड़ी स्वीकार नहीं है। इस उपमहाद्वीप से होकर गुज़रते थलीय एवं जलीय मार्ग सामरिक रूप से उसके लिए बहुत अहम और जरूरी हैं और चीन की प्रगति गाथा के समांतर उनको छोड़ नहीं जा सकता। यहां ज़रा गलती न हो- यदि भारत और भूटान अपना एका और आपस में गुथे उप-हिमालयी भूभाग रूपी सांझी गर्भनाल को तोड़ देंगे, तो इस स्वनिर्मित बर्बादी के लिए दोनों ही दोषी करार होंगे।

लेखक स्तंभकार हैं।

नरक चुतर्दशीः नरक से मुक्ति के लिए दीपदान

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)

- नरक चतुर्दशी (11 नवम्बर) पर विशेष

भारत में कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 11 नवम्बर को मनाया जाएगा या 12 नवम्बर को। दरअसल कई स्थानों पर यह पर्व इस बार दीवाली के साथ 12 नवम्बर को ही मनाए जाने का उल्लेख है लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि इस बार 11 नवम्बर 2023 को दोपहर 1 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 12 नवम्बर 2023 को दोपहर 2 बजकर 44 मिनट पर इसका समापन होगा। ऐसे में यह पर्व 11 नवम्बर को ही मनाया जाएगा। इस दिन सायं 5 बजकर 29 मिनट से लेकर 8 बजकर 7 मिनट तक दीपदान का शुभ मुहूर्त है। इस पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई। धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं।

यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं।

इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

महुआ के निष्कासन की अनुशंसा, कंगारू कोर्ट का फैसला?

(लेखक- सनत जैन/ ईएमएस)

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोईया पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में विशेषाधिकार समिति ने जांच पूरी कर ली है। विशेष अधिकार समिति ने 500 पेज की रिपोर्ट तैयार की है। विशेष अधिकार समिति में 15 सदस्य हैं। विशेष अधिकार समिति के समक्ष जब इस रिपोर्ट को रखा गया तो केवल 10 सदस्य उपस्थित थे। 10 सदस्यों में बैठक का कोरम पूरा हो गया। समिति के सदस्य ने रिपोर्ट को 6-4 के अनुपात से विशेष अधिकार समिति ने महुआ मोइत्रा के सदन से निष्कासन करने की अनुशंसा की है। संख्या के आधार पर विशेष अधिकार समिति के सदस्यों की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष करते हैं। निश्चित रूप से सदन में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन का बहुमत है। तो विशेष अधिकार समिति में भी उनका बहुमत है। निष्कासन जैसे महत्वपूर्ण मामले में जिस तरीके से सुनवाई हुई है। उसको लेकर शुरू से ही प्रश्न चिन्ह लगाए जा रहे थे। महुआ मोइत्रा से जो प्रश्न विशेष अधिकार समिति के अध्यक्ष द्वारा पूछे गए थे। उस पर महुआ मोइत्रा द्वारा आपत्ति व्यक्त की गई थी, कि उनके निजी जीवन से जुड़े ऐसे अश्लील प्रश्न पूछे जा रहे हैं। जो महिला की अस्मिता से जुड़े हुए हैं। यह कहते हुए उन्होंने बैठक से बहिष्कार कर दिया था। उसके बाद भी समिति ने उन्हें दोबारा नहीं बुलाया। महुआ मोइत्रा के साथ चार अन्य विशेषाधिकार समिति के सदस्यों ने भी बैठक का बहिष्कार किया था। इस मामले में विशेष अधिकार समिति द्वारा ठीक तरह से सुनवाई किए बिना ही निष्कासन की जो अनुशंसा की है। अनुशंसा भी 6-4 के बहुमत से की है। इस रिपोर्ट को लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा जाएगा। उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष निष्कासन का निर्णय लेंगे। बहरहाल यह मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। महुआ मोइत्रा, समिति के कामकाज को लेकर लगातार अपनी आपत्ति दर्ज कराती रही है महुआ मोइत्रा अपने तीखे एवं आक्रमक तेवरों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने उद्योगपति गौतम अडानी और सांसद श्रीकांत दुबे के ऊपर भी खुलकर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आगे भी वह कुछ और खुलासे करने की बात कही है। यह मामला अभी आगे भी तूल पकड़ेगा। लोकसभा का कार्यकाल कुछ ही महीने का रह गया है। ऐसी स्थिति में महुआ मोइत्रा को अपनी सांसदी को लेकर ज्यादा चिंता नहीं है। महुआ ने विशेषाधिकार समिति की है। महुआ ने कहा यह फैसला देश के लिये बड़ा संदेश है। इस फैसले से संसदीय लोकतंत्र की मौत निरूपित किया है। उन्होंने कहा कि निष्कासन के बाद भी अगली लोकसभा में वह भारी बहुमत से जीतकर संसद में प्रवेश करेंगी। टीएमसी पार्टी ने उनके पक्ष में खड़े होकर उनका इस लड़ाई में साथ नहीं दिया है। विशेष अधिकार समिति में कांग्रेस की एक महिला सांसद द्वारा रिपोर्ट के पक्ष में मतदान करने को बड़े आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है। अदानी और मोदी के संबंधों को लेकर यदि संसद में सबसे ज्यादा किसी ने बोला है, उसमें कांग्रेस के नेता राहुल गांधी हैं। उसके बाद सदन में अदानी समूह के ऊपर सबसे ज्यादा हमला करने वाली महुआ मोइत्रा थी। यह माना जा रहा था, कि विशेषाधिकार समिति में कांग्रेस के सदस्य महुआ मोइत्रा के समर्थन में खड़े होंगे। लेकिन कांग्रेस के सदस्य ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया। महुआ मोइत्रा का राजनीतिक कैरियर आगे किस तरीके का होगा, यह तो आने वाले समय पर ही पता लगेगा। अभी तक यह धारणा बनी हुई थी, कि वह कांग्रेस में आ सकती हैं। कांग्रेस सदस्य द्वारा रिपोर्ट का समर्थन किए जाने से अब तरह-तरह की अटकलें लगना शुरू हो गई है। बहरहाल यह तय माना जा रहा है, कि लोकसभा अध्यक्ष जल्द ही महुआ मोइत्रा को लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर देंगे। 4 दिसंबर से लोकसभा का जो नया सत्र शुरू होगा, उसमें महुआ मोइत्रा संसद में नहीं होंगी।

धनतेरस के दिन सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । धनतेरस के दिन शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई थी। लेकिन बाद में ये तेजी के साथ बंद हुए। सोने के वायदा भाव 60,200 रुपये और चांदी के वायदा भाव 71,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 49 रुपये की गिरावट के साथ 60,233 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 101 रुपये की गिरावट के साथ 60,181 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 60,238 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,181 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 215 रुपये की गिरावट के साथ 70,998 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 154 रुपये की गिरावट के साथ 71,059 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,172 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 70,974 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 1964.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1969.80 डॉलर था। फिलहाल यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 1964.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ईडी ने हीरो मोटोकॉर्प के सीएमडी व चेयरमैन पवन मुंजाल की तीन संपत्तियां जब्त कीं

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को हीरो मोटो कॉर्प के सीएमडी और चेयरमैन पवन मुंजाल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कहा कि उसने दिल्ली में स्थित 24.95 करोड़ रुपये की तीन अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी ने कहा कि मुंजाल की तीन संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत कुर्क की गईं। ईडी की जांच में पाया गया कि मुंजाल ने अन्य व्यक्तियों के नाम पर विदेशी मुद्रा या विदेशी मुद्रा जारी की और उसके बाद उसका उपयोग विदेश में अपने निजी खर्च के लिए किया। ईडी ने कहा, एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा विभिन्न कर्मचारियों के नाम पर अधिकृत डीलरों से विदेशी मुद्रा निकाली गई और उसके बाद मुंजाल के रिलेशनशिप मैनेजर को सौंप दी गई। इसमें कहा गया है कि रिलेशनशिप मैनेजर अपनी निजी या व्यावसायिक यात्राओं के दौरान मुंजाल के निजी खर्च के लिए गुप्त रूप से ऐसी विदेशी मुद्रा या नकद या कार्ड में ले जाता था। ईडी ने कहा, उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर की सीमा को खत्म करने के लिए यह तरीका अपनाया गया था। ईडी ने इससे पहले 1 अगस्त को मुंजाल और संबंधित संस्थाओं या व्यक्तियों के संबंध में तलाशी अभियान चलाया था और डिजिटल साक्ष्य और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ 25 करोड़ रुपये की कीमती चीजें जब्त की थीं। ईडी ने कहा, जब्ती और कुर्की की कुल कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये है। ईडी का मामला अवैध रूप से भारत से विदेशी मुद्रा या मुद्रा ले जाने के लिए मुंजाल और अन्य के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा दायर आरोप पत्र के आधार पर है। आरोप पत्र में आरोप लगाया गया है कि 54 करोड़ रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा या विदेशी मुद्रा को अवैध रूप से भारत से बाहर ले जाया गया।

निवेशकों को स्मॉल और मिड कैप शेयरों में सावधानी बरतने की जरूरत

नई दिल्ली-

मिड और स्मॉल-कैप रैली आंशिक रूप से खुदरा निवेश से प्रेरित है और चूंकि इस व्यापक बाजार में मूल्यांकन अधिक है, इसलिए निवेशकों को कुछ सावधानी बरतनी होगी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है। एसएंडपी 500 में 8-दिवसीय बढ़त का सिलसिला फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के एक कठोर बयान से रुक गया कि फेड जरूरत पड़ने पर नीति को कड़ा करने में संकोच नहीं करेगा।उन्होंने कहा कि यह चिंता कि दरें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं शेयर बाजारों के लिए एक बाधा के रूप में बनी रहेगी, लेकिन इसे नीचे खींचने की संभावना नहीं है। भारतीय बाजार की बनावट से संकेत मिलता है कि गिरावट पर खरीदारी की रणनीति काम करती रहेगी। संवत 2080 में, आकर्षक मूल्यांकन और प्रभावशाली वृद्धि के कारण वित्तीय स्थिति अच्छा रहने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र में निरंतर एफआईआई बिकवाली, जो इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, केवल अस्थायी होगी। उन्होंने कहा कि 2 साल की अवधि वाले निवेशकों के लिए, प्रमुख निजी बैंक और 3 या 4 पीएसयू बैंक अच्छे रिटर्न की संभावना दिखाते हैं।शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 135 अंक गिरकर 64,697 पर है। एमएंडएम 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट के साथ टॉप पर है। टाइटन और एचसीएल टेक में 1 फीसदी की गिरावट है।

रुपया 83.40 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर, फेड के कॉमेंट से यूएसडी मजबूत

नई दिल्ली । भारतीय रुपया शुक्रवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमेन जेरोम पॉवेल के बयान के बाद अमेरिकी डॉलर मजबूत हो गया। करेंसी डीलरों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक, जो आम तौर पर उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करने के लिए कदम उठाता है, आरबीआई ने शुक्रवार को कुछ नहीं किया। दोपहर 1ः55 बजे भारतीय करेंसी 83.40 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछला रिकॉर्ड निचला स्तर 83.29 रुपये था। डीलर्स कह रहे हैं कि रुपया 83.50 प्रति डॉलर तक पहुंच सकता है क्योंकि बाजार में डॉलर की कमी है। बाजार जानकारों ने कहा कि डॉलर की कमी और आयातकों द्वारा लगातार खरीदारी के कारण यूएसडी से आईएनआर विनिमय दर 83.32 के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। बाजार में चल रही खरीदारी और नकद डॉलर की कमी के साथ, जानकारों का सुझाव है कि यह जोड़ी जल्द ही 83.50 तक पहुंच सकता है। कुछ बाजार सहभागियों के अनुसार, भारतीय रुपया संभवतः 84 प्रति डॉलर तक पहुंचने से पहले कुछ समय के लिए 83.50 प्रति डॉलर पर रुक सकता है।

पिछले एक साल में सोने ने 21 फीसदी का रिटर्न दिया है

नई दिल्ली।

मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में सोने ने 21.84 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी पर रिटर्न 21.05 फीसदी रहा है। अक्टूबर में, भारतीय शेयर बाजारों ने नकारात्मक रुझान दिखाया। निफ्टी50 इंडेक्स में 2.84 प्रतिशत की गिरावट आई, मिड-कैप 150 इंडेक्स में 3.80 प्रतिशत की गिरावट आई। रियल्टी को छोड़कर सभी क्षेत्रों का प्रदर्शन लाल निशान में रहा। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 6 फीसदी की गिरावट देखी गई। अमेरिका में, एसएंडपी 500 और नास्दक 100 दोनों में अक्टूबर 2023 में 2 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसमें हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर का सबसे बड़ा योगदान था। वैश्विक स्तर पर, उभरते और विकसित दोनों बाजारों में क्रमशः 4 प्रतिशत और 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ नकारात्मक प्रदर्शन देखा गया। दक्षिण कोरिया में 7 प्रतिशत की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि स्विट्जरलैंड 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ विकसित बाजारों में सबसे आगे रहा। बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम, अमेरिका से कम मांग और मिश्रित चीनी डेटा के कारण अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, सोने और चांदी की कीमतों में क्रमशः 7 प्रतिशत और 1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कीमती धातुएं हरे रंग में थीं। बिटकॉइन और एथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी क्रमशः 29 प्रतिशत और 9 प्रतिशत की दर से बढ़ीं।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन उतार-चढ़ाव के बीच हरे रंग पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

ग्लोबल मार्केट से मिले नकारात्मक रुझानों के चलते कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार दिन के ज्यादातर समय नुकसान में रहा, लेकिन एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी में अंतिम दौर की खरीददारी से बाजार को हरे निशान पर बंद होने में मदद मिली। दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में अंतिम समय में हल्की बढ़त देखी गई। शुक्रवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 72.48 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 30 अंक की बढ़त दर्ज हुई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.33 प्रतिशत और 0.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 72.48 अंक बढ़त के साथ 64,904.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,014.06 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,580.95 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 30.05 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,425.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,451.30 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,329.45 तक आया।

अक्टूबर में इक्विटी फंडों में तीसरा सबसे ज्यादा मासिक प्रवाह देखा गया

नई दिल्ली। भारत के इक्विटी म्यूचुअल फंड में अक्टूबर में 19,957 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो सितंबर में 14,091 करोड़ रुपये था और साल 2023 में इक्विटी फंड में तीसरा सबसे बड़ा मासिक प्रवाह देखा गया। यह बात एचडीएफसी (हस्-ाष्स्रष्ट) सिक्योरिटीज खुदरा अनुसंधान प्रमुख दीपक जसानी ने कही। कई फंडों द्वारा एकमुश्त निवेश और नए एसआईपी पर प्रतिबंध को दरकिनार करते हुए लघु और मध्य-कैप श्रेणियों ने लगभग 7,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में म्यूचुअल फंड उद्योग में एसआईपी का योगदान 16,928 करोड़ रुपये रहा, जो सितंबर में 16,420.06 करोड़ रुपये था।अक्टूबर के महीने में इक्विटी बाजारों में जोखिम-मुक्त भावना का अनुभव जारी रहा, सूचकांक 19,000 के स्तर से नीचे गिर गया। मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अखिल चतुर्वेदी ने कहा कि इस गिरावट के बावजूद इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखा और सितंबर में 14,091 करोड़ रुपये के मुकाबले 19,957 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण शुद्ध प्रवाह दर्ज किया। स्मॉल कैप में 4,495 करोड़ रुपये का बड़ा प्रवाह देखा गया, इसके बाद 3,895 करोड़ रुपये का विषयगत/क्षेत्रीय फंड आया। आर्बिट्राज फंडों और मल्टी-एसेट फंडों के नेतृत्व में हाइब्रिड फंडों में स्वस्थ शुद्ध प्रवाह का अनुभव जारी रहा। उन्होंने कहा, यह प्रवृत्ति बाजार में प्रचलित जोखिम-मुक्त भावना को दर्शाती है, निवेशक पूंजी सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने निवेश में विविधता लाना चाहते हैं।

ईडी ने मेट टेक्नोलॉजीज द्वारा फर्जी कॉल सेंटर धोखाधड़ी में कुणाल गुप्ता की 67.23 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने मेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और अन्य द्वारा कॉल सेंटर धोखाधड़ी के मामले में कुणाल गुप्ता, उनके परिवार के सदस्यों, कंपनियों और उनके सहयोगियों की 67.23 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी की कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत है। वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां 35 बैंक खातों में शेष राशि, 14 कारों और 12 अचल संपत्तियों (कुल मूल्य 61.84 करोड़ रुपये) के रूप में हैं और अचल संपत्तियों में एक रिसॉर्ट, कोलकाता और बेंगलुरु में वाणिज्यिक कार्यालय या फ्लैट या अपार्टमेंट या भूमि, गोवा में एक विला, 10 शामिल हैं। एजेंसी की जांच से पता चला कि उक्त कंपनी के प्रतिनिधियों ने अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भोले-भाले निवासियों को निशाना बनाया। ईडी ने कहा, वैध व्यवसायों के प्रतिनिधियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने फर्जी तकनीकी सहायता प्रस्तावों, भ्रामक वेबसाइट बिक्री और नकली मोबाइल ऐप्स के माध्यम से नकली ऋण प्रस्तावों के माध्यम से व्यक्तियों को धोखा दिया, पीड़ितों को पर्याप्त भुगतान के लिए मजबूर किया और 126 करोड़ रुपये की अपराध आय अर्जित की।

ईडी ने कहा,गुप्ता अपनी कंपनी के कार्यालय परिसर में फर्जी कॉल सेंटर चलाने का मास्टरमाइंड था। वह अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ गतिविधियों में भी शामिल है, यह पता चला कि दागी धन को कंपनियों के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से पेश किया गया, स्तरित किया गया और अंततः लॉन्डर किया गया, जिसका स्वामित्व और नियंत्रण गुप्ता और उनके परिवार के सदस्यों, उनकी कंपनी के कर्मचारियों और उनके द्वारा किया गया था। ईडी ने कहा कि अपराध की आय का वास्तव में उपयोग किया गया और होटल, क्लब और कैफे सहित आतिथ्य क्षेत्र के माध्यम से बेदाग के रूप में पेश किया गया।

इससे पहले, गुप्ता को इस साल 10 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और ईडी ने उनके आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों, उनके प्रमुख कर्मचारियों और उनकी कंपनियों पर भी तलाशी ली थी।

ईडी का मामला बिधाननगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है, जिसमें मेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश सहित गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 17.6 फीसदी बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। देश का कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन चालू वित्त वर्ष के दौरान 9 नवंबर तक बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.59 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को ये आंकड़ा जारी किया। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, रिफंड को छोड़ कर, 10.60 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 21.82 प्रतिशत अधिक है। यह कलेक्शन वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर के कुल बजट अनुमान का 58.15 प्रतिशत है। सकल कॉर्पोरेट इनकम टैक्स (सीआईटी) कलेक्शन 7.13 प्रतिशत की दर से बढ़ा है जबकि पर्सनल इनकम टैक्स (पीआईटी) 28.29 प्रतिशत बढ़ा है। सीआईटी कलेक्शन में शुद्ध वृद्धि 12.48 प्रतिशत है और पीआईटी में 31.77 प्रतिशत है। 1 अप्रैल से 9 नवंबर के दौरान 1.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है।

केंद्र सरकार ने 11.5 करोड़ लोगों के पेन कार्ड बंद किए, अब देना होगा जुर्माना

- पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की तारीख 30 जून थी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने 11.5 करोड़ पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं होने की वजह से बंद कर दिए हैं। एक आरटीआई के जवाब में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बताया कि पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की तारीख 30 जून थी। देश में पैन कार्ड की संख्या 70.24 करोड़ तक पहुंच गई थी, इनमें से 57.25 करोड़ लोगों ने पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक कराया था। करीब 12 करोड़ लोगों ने तय समय में आधार को पेन कार्ड से `` लिंक नहीं कराया है। इनमें से 11.5 करोड़ लोगों के कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। यह आरटीआई मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता चन्द्रशेखर गौड़ ने दाखिल की थी। बताया गया कि नए पैन कार्ड बनवाते समय ही आधार से लिंक कर दिए जाते हैं। यह आदेश उन लोगों के लिए जारी किया गया है, जिन्होंने 1 जुलाई 2017 से पहले पैन कार्ड बनवाया था। आयकर अधिनियम की धारा 139एए के तहत पैन कार्ड और आधार को लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस आदेश के तहत, जो लोग पैन-आधार लिंक नहीं करा पाते हैं, वे 1000 रुपये का जुर्माना देकर अपना कार्ड दोबारा सक्रिय करा सकते हैं। गौड़ ने कहा कि नया पैन कार्ड बनाने की फीस केवल 91 रुपये है। फिर सरकार इससे अधिक शुल्क क्यों ले रही है। कार्ड दोबारा एक्टिवेट कराने पर लगेगा 10 गुना जुर्माना? लोग इनकम टैक्स रिटर्न भी दाखिल नहीं कर पाएंगे। सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। सीबीडीटी के मुताबिक ऐसे लोग इनकम टैक्स रिफंड का दावा नहीं कर पाएंगे। डीमैट खाता नहीं खोला जा सकता है और म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदने के लिए 50,000 रुपये से अधिक का भुगतान नहीं किया जा सकता है।

शेयर खरीदने और बेचने के लिए आप 1 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान नहीं कर पाएंगे। वाहन खरीदने पर आपको ज्यादा टैक्स देना होगा। बैंक में एफडी और सेविंग अकाउंट के अलावा कोई खाता नहीं खुलेगा। क्रेडिट और डेबिट कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे। आप बीमा पॉलिसी प्रीमियम के लिए 50,000 रुपये से ज्यादा का भुगतान नहीं कर पाएंगे। प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त पर ज्यादा टैक्स लगेगा।

गेमिंग कंपनी यूनिटी कर सकती है नौकरियों में छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

गेम डेवलपमेंट सॉफ्टवेयर कंपनी यूनिटी ने घोषणा की है कि वह लागत-बचत उपायों के हिस्से के रूप में छंटनी करेगी। कंपनी ने कहा कि कई हफ्ते पहले, उन्होंने उन प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का व्यापक मूल्यांकन शुरू किया जो उनके कस्टमर्स के लिए सबसे मूल्यवान हैं। तीसरी तिमाही की आय रिपोर्ट में, यूनिटी ने कहा कि वह सही लागत संरचना का भी मूल्यांकन कर रही है जो अधिक केंद्रित पोर्टफोलियो के साथ संरेखित हो। कंपनी ने कहा, हम तेजी से कार्रवाई कर रहे हैं और अगले कुछ हफ्तों में अंतिम निर्णय लेने की उम्मीद है। हम इस तिमाही के भीतर योजना को शुरू करने की उम्मीद करते हैं और 2024 की पहली तिमाही के अंत से पहले सभी इंटरवेंशन पूरा करेंगे। गेम डेवलपर ने कहा, इस कदम में संभवतः कुछ प्रोडक्ट पेशकशों को बंद करना, हमारे कार्यबल को कम करना और हमारे ऑफिस फुटप्रिंट को कम करना शामिल होगा। कंपनी ने कहा कि इन इंटरवेंशन के सटीक समय का अनुमान लगाना मुश्किल है, यह चौथी तिमाही या पूरे साल 2023 के लिए मार्गदर्शन प्रदान नहीं कर रहा है। सितंबर में, यूनिटी ने एक नए मूल्य निर्धारण मॉडल की घोषणा की जिसे डेवलपर्स से प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। अक्टूबर में, यूनिटी के सीईओ जॉन रिकसिटिलो ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की और गेमिंग कम्युनिटी के आक्रोश के बाद कंपनी ने अपने मूल्य निर्धारण मॉडल में संशोधन किया। कंपनी ने कहा, बोर्ड एक स्थायी सीईओ की पहचान करने के लिए एक लीडिंग एग्जीक्यूटिव सर्च फर्म की सहायता से एक व्यापक खोज प्रक्रिया शुरू करेगा। कंपनी ने कहा, बोर्ड एक स्थायी सीईओ की पहचान करने के लिए एक व्यापक खोज प्रक्रिया शुरू करेगा।

इस दिवाली ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड का उपयोग करके पिनकोड पर खरीदारी कर सकते हैं यूजर

नई दिल्ली :

ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) पर विकसित एक स्थानीय शॉपिंग ऐप पिनकोड ने शुक्रवार को घोषणा की कि ग्राहक ऐप पर नए लॉन्च किए गए ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड का उपयोग करके त्योहारी खरीदारी के अपने अनुभव को बेहतर बना सकते हैं। पहली बार, पिनकोड ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड की पेशकश कर रहा है, जो यूजरों को इस दिवाली खरीदारी करने का एक सहज और सुविधाजनक तरीका प्रदान कर रहा है। ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड परिवर्तनीय मूल्यों वाला एक प्रीपेड रुपे कार्ड है। संगठन अपनी विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें अपने कर्मचारियों को वितरित कर सकते हैं। पिनकोड के सीईओ विवेक लोहचेब ने कहा, ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड हमारे यूजरों को विभिन्न श्रेणियों में स्थानीय दुकानों से उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में से चुनने की आजादी देता है। हमारे यूजर अब ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड के साथ खरीदारी करने, उपहार देने और जश्न मनाने की आजादी के साथ पिनकोड ऐप पर दिवाली की भावना को अपना सकते हैं।

यह अभिनव पेशकश यूजरों के ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड को प्रीपेड रुपे डेबिट कार्ड की तरह बना देती है, जिससे कार्ड पर लोड की गई निर्दिष्ट राशि के लिए लेनदेन संभव हो जाता है। विशेष रूप से, इसमें कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा नहीं है, जिससे यूजरों को अपनी उत्सव की खरीदारी का अधिकतम लाभ उठाने के लिए लचीलापन और स्वतंत्रता मिलती है। ओएनडीसी के एमडी और सीईओ टी. कोशी ने कहा, इस त्योहारी सीज़न में, हमारा उद्देश्य पूरे देश में यूजरों को एक अद्वितीय खरीदारी अनुभव प्रदान करना है जो न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाता है बल्कि घरेलू ब्रांडों को भी बढ़ावा देता है और छोटे विक्रेताओं का समर्थन करता है। ओएनडीसी समान पहुंच और ऑनलाइन कारोबार में आगे बढ़ने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को लेकर दृढ़ है।

पिनकोड ऐप पर ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड का उपयोग किसी भी श्रेणी की खरीदारी के लिए किया जा सकता है, जो यूजरों के लिए व्यापक खरीदारी अनुभव सुनिश्चित करता है - चाहे वह भोजन, किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स या फैशन हो, कार्ड ढेर सारे विकल्प प्रदान करता है।

ब्लैक बॉक्स ने नए उत्कृष्टता केंद्र के साथ भारत में उपस्थिति मजबूत की

नई दिल्ली।

एक विश्वसनीय आईटी समाधान प्रदाता ब्लैक बॉक्स लिमिटेड (पूर्व में एजीसी नेटवर्क्स) ने बेंगलुरु में अपने नए उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन की घोषणा की है। ब्लैक बॉक्स प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में काम करता है तथा एस्सार के प्रमुख निवेशों में से एक है।यह अत्याधुनिक सुविधा एक महत्वपूर्ण उन्नयन का प्रतिनिधित्व करती है, जो कर्मचारियों को सहयोग और व्यावसायिक संचालन के अनुकूलन के लिए एक अद्वितीय वातावरण प्रदान करती है। प्रभावशाली 50 हजार वर्ग फुट में फैली इस सुविधा में अत्याधुनिक आएंडडी प्रयोगशालाएं, कमांड सेंटर, क्लाइंट-अनुरूप ऑफशोर डिलीवरी सेंटर और समर्पित गोष्ठि कक्ष हैं, जो सभी टीमों और क्षेत्रों में टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इस नई सुविधा की शुरूआत के साथ, ब्लैक बॉक्स अपने सेवा पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है। उसकी सेवाओं में कार्यक्रम प्रबंधन, समाधान अभियांत्रिकी और प्रबंधित सेवाएं शामिल हैं। कंपनी ने एक वैश्विक रिस्पॉन्स सेंटर के रूप में सेवा करते हुए, अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला सुनिश्चित की है। नए केंद्र पर टिप्पणी करते हुए ब्लैक बॉक्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और ब्लैक बॉक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं सीईओ संजीव वर्मा ने कहाः हम डिजिटल बुनियादी ढांचे के समाधान में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ब्लैक बॉक्स में यह रोमांचक समय है क्योंकि हम इसके लिए तत्पर हैं। इस रणनीतिक केंद्र से हम अपने वैश्विक ग्राहकों को सेवा दे रहे हैं। यह उत्कृष्टता केंद्र कर्मचारियों को अपने कार्यों को अधिक कुशलता से करने और ग्राहक उत्कृष्टता का समर्थन करने में सक्षम बनाएगा। अपनी वैश्विक विस्तार योजनाओं के हिस्से के रूप में, कंपनी भारत में 500 अतिरिक्त नौकरियां पैदा करेगी और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के लिए अपनी सेवाओं को बढ़ाएगी। नए केंद्र से निकट अवधि में कंपनी के मार्जिन में लगभग 50 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की उम्मीद है। ब्लैक बॉक्स आधुनिक व्यवसायों की लगातार बढ़ती मांगों के साथ सहजता से तालमेल बिठाते हुए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, एंटरप्राइज नेटवर्किंग और डिजिटल सहयोग में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी डेटा सेंटर सेवाओं, नेटवर्किंग समाधान और साइबर सुरक्षा पेशकश जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए कमर कस रही है।

एलन डोनाल्ड छोड़ेंगे बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद

पुणे। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने मौजूदा 2023 पुरुष वनडे विश्व कप में टीम के अभियान के बाद बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। डोनाल्ड को जुलाई 2022 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया था और टीम के साथ उनका आखिरी मैच शनिवार को एमसीए स्टेडियम में अपने अंतिम विश्व कप लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। एलन डोनाल्ड ने कहा कि शुरू में उन्हें एक साल के विस्तार से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के कारण उन्होंने यह पद छोड़ने का फैसला किया। विश्व कप के दौरान मैंने मौखिक रूप से अनुबंध स्वीकार कर लिया था। हालांकि, मैंने कोई अनुबंध साइन नहीं किया लेकिन मैं एक साल के विस्तार के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए ढाका वापस जाने के लिए तैयार था। मैं इसे पूरा करने और देखने के लिए उत्साहित था कि हम इस तेज गेंदबाजी समूह को और भी आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने डोनाल्ड के हवाले से कहा, विश्व कप में मेरे पास इस पर विचार करने के लिए समय था। मैंने सोचा था कि 12 महीने एक लंबा समय लगता है। कार्यक्रम बहुत व्यस्त दिखता है। बेहतर होगा कि मैं अपने परिवार के बारे में सोचना शुरू कर दूं।

जोकोविच एटीपी फाइनल्स में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने के लिए तैयार

नई दिल्ली,

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच रविवार से शुरू होने वाले आगामी एटीपी फाइनल्स में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। जोकोविच खुद को एक उच्च जोखिम वाली स्थिति में पाते हैं, टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक छह खिताब के लिए रोजर फेडरर के साथ बराबरी पर हैं। सिर्फ एक और खिताब जीतने के साथ 36 वर्षीय खिलाड़ी इवेंट के इतिहास में सबसे सम्मानित खिलाड़ी के रूप में अकेले खड़े हो जाएंगे। सर्बियाई महान खिलाड़ी, जिन्होंने गुरुवार को पाला एल्पिटौर में प्रशिक्षण लिया, पाला एल्पिटौर में ग्रीन ग्रुप के प्रमुख हैं। सीज़न के समापन में उनका मुकाबला घरेलू पसंदीदा जानिक सिनर, स्टेफ़ानोस सितसिपास और होल्गर रूण से होगा। 24 बार का ग्रैंड स्लैम चैंपियन अपना रिकॉर्ड-विस्तारित आठवां एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 सम्मान हासिल करने की कगार पर हैं । दो साल पहले, उन्होंने पीट सम्प्रास के छह साल के नंबर 1 स्थान पर रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिससे इतिहास में सबसे अधिक साल के अंत में शीर्ष रैंकिंग के लिए उनकी स्थिति मजबूत हो गई। क्या उन्हें इस साल फिर से यह उपलब्धि हासिल करनी चाहिए, एटीपी फाइनल के एक सप्ताह बाद जोकोविच एटीपी रैंकिंग के इतिहास में विश्व नंबर 1 पर 400 सप्ताह तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। 300 सप्ताह का आंकड़ा छूने वाले एकमात्र अन्य व्यक्ति फेडरर (310) हैं। जोकोविच अपने 98वें टूर-लेवल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, एक ऐसी जीत जो उन्हें जिमी कॉनर्स (109) और फेडरर (103) के साथ 100 टूर-लेवल क्राउन के साथ खिलाड़ियों के विशेष क्लब में प्रवेश करने की दो जीत के भीतर लाएगी।

विराट कोहली की मानसिक ताकत,उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करती : विवियन रिचर्ड्स

दुबई ।

महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स ने भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली की तारीफों के पुल बांधकर कहा कि उनकी मानसिक मजबूत उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है और वह मुश्किल से मुश्किल स्थिति से भी बाहर आ जाते हैं। कोहली ने हाल ही में अपने 35वें जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर 49वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। वह मौजूदा विश्व कप में आठ मैचों में 543 रन के साथ रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। नवंबर 2019 से कोहली लगभग तीन साल तक शतक नहीं जड़ पाए और यहां तक कि पिछले साल एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने से पहले उन्होंने खेल से ब्रेक भी लिया।

रिचर्ड्स ने कहा कि विराट एक उत्साही खिलाड़ी हैं और जो चीज उन्हें बाकी लोगों से अलग करती है, वह उनकी मानसिक ताकत है। अतीत में जब मैंने उनसे बातचीत की है और हमने चीजों पर चर्चा की है, उनकी मानसिक ताकत हमेशा स्पष्ट रही है। वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने कहा कि विराट इस विश्व कप से पहले कुछ कठिन दौर से गुजरे होंगे और कुछ लोग इतने हिम्मत वाले भी थे कि उन्हें बाहर करने की मांग कर रहे थे। रिचर्ड्स ने कहा कि बहुत सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी आए हैं लेकिन उनमें सबसे ऊपर आप विराट कोहली को ही पाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं विराट का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, मैं लंबे समय से हूं, और अब भी यह दिखा रहा है कि क्यों उसे महान सचिन जैसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाना जाता है। कोहली जब 1,021 दिन तक शतक नहीं लगा पाए तब आलोचकों ने कहा कि उनके सुनहरे दिन पीछे छूट गए है।

लेकिन यहां विश्व कप में उन्होंने शानदार फॉर्म दिखाई है जिससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में 2011 की सफलता के बाद भारत इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को दोबारा जीत सकता है।

रिचर्ड्स ने कहा कि कोहली ने फिर साबित कर दिया है कि फॉर्म अस्थायी होती है और स्तर स्थायी होता है। उन्होंने इस स्थिति से उबरने में मदद करने के लिए सहयोगी स्टाफ और टीम प्रबंधन को श्रेय दिया।

पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचे और भारत से मुकाबला करेः दादा

विश्वकप का ये सबसे रोमांचक मैंच होगा

नई दिल्ली । एक ओर जहां भारतीय टीम विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है, तब दूसरी ओर पाकिस्तान की जान अटकी हुई है। बदले हुए समीकरण में बाबर सेना का टॉप-4 में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। उधर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली ने कहा कि वह चाहते हैं कि पाकिस्तान विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाइ करे और भारत के खिलाफ मुकाबले में उतरे। दादा ने कहा, मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचे और भारत के खिलाफ रोमांचक मुकाबला हो। इससे बड़ा सेमीफाइनल नहीं हो सकता। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान अपना आखिरी मैच शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगा, उन्हें यह मैच बड़े अंतर से जीतना होगा। विरोधियों के आधार पर भारत के सेमीफाइनल की तारीख और स्थान भी बदल जाएगा। अगर यह न्यूजीलैंड या अफगानिस्तान के खिलाफ है, तब भारत का सेमीफाइनल 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन अगर पाकिस्तान क्वॉलिफाइ करता है, तब भारत 16 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डंस में सेमीफाइनल खेलेगा। यही सबसे बड़ा कारण है कि दादा भारत बनाम पाकिस्तान सेमीफाइनल चाहते हैं। गांगुली ने कहा कि वह भारत की संभावनाओं को बर्बाद नहीं करना चाहते क्योंकि वे पूरे टूर्नामेंट में शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं।

इंग्लैंड को भारतीय कोच की डिमांड का पोस्टर दिखने पर रवि शास्त्री से मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

दर्शक दीर्घा में बैठे एक व्यक्ति ने जब इंग्लैंड की टीम को भारतीय कोच की डिमांड वाला पोस्टर दिखाया तो कांमेंटेटर इयोन मोर्गन ने रे वि शास्त्री से कोच बनने का आग्रह किया। इस पर उन्होंने कामेंट्री बॉक्स में ही रे वि शास्त्री से जवाब भी मांगा। दरअसल आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान जब इंग्लैंड की टीम पुणे के मैदान पर नीदरलैंड्स के सामने थीं तो दर्शक दीर्घा में एक व्यक्ति के हाथ में पकड़ा पोस्टर चर्चा में आ गया। क्योंकि इंग्लैंड गत चैंपियन हैं और इस विश्व कप से पहले ही बाहर हो चुकी है। ऐसे में यह पोस्टर जिस में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से भारतीय कोच रखने की अपील की गई थी, चर्चा में रहा है। यह पोस्टर जब ऑन एयर हुआ तो कांमेंटेटर भी इस पर बात करने से खुद को रोक नहीं पाए। इस दौरान इयोन मोर्गन के साथ तब कॉमेंट्री बॉक्स में रवि शास्त्री बैठे थे। मोर्गन ने उक्त पोस्टर देखकर हामी भरी और अपने साथी कमेंटेटर से इस पर राय भी जाननी चाहिए। इसके अलावा मोर्गन ने यह भी जानने की कोशिश की कि क्या रवि शास्त्री बतौर भारतीय इंग्लैंड क्रिकेट टीम को कोचिंग देना पसंद करेंगे। हालांकि इस पर रवि शास्त्री ने कहा कि हमको बुलाओ। हम सबको बुलाओ। हम हिंदी सिखाएगा। मेरे कहने का मतलब है कि आपका स्वागत है। मैं टीम को हिंदी सिखाऊंगा और और सुंदर क्रिकेट भी। कोई प्रॉब्लम नहीं। बता दें कि पुणे के मैदान पर आमने सामने हुई दोनों ही टीमें (इंग्लैंड और नीदरलैंड्स) खिताबी दौड़ से बाहर हैं लेकिन विश्व कप में पाकिस्तान को छोड़कर शीर्ष सात स्थानों पर रहने वाली टीमें चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करेंगी। गत चैम्पियन टीम इस मैच से पहले 10वें पायदान पर थी लेकिन बड़ी जीत के बाद इंग्लैंड ने तालिका में 7वें स्थान पर पहुंच कर अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है।

संक्षिप्त समाचार

वनडे विश्व कप में 50 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज बने ट्रेंट बोल्ट

बेंगलुरु । एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ खेलकर ट्रेंट बोल्ट आईसीसी वनडे विश्व कप में 50 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज बने हैं। टिम साउदी 38 विकेट के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। बोल्ट अब ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क के बाद वनडे विश्व कप इतिहास में 50 या अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं, जो 19.74 पर 59 विकेट के साथ चार्ट में सबसे आगे हैं। स्टार्क से पहले पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम के नाम यह रिकॉर्ड था। अकरम ने 23.83 की औसत से 55 विकेट लिए। इस तरह बोल्ट बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने के लिए चामिंडा वास (49) को पीछे छोड़ गए। बोल्ट 50 से अधिक वनडे विश्व कप विकेट लेने वाले कुल छठे गेंदबाज बने। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ 18.19 की औसत से 71 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन 19.63 की औसत से 68 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लसिथ मलिंगा के नाम 56 विकेट हैं जबकि स्टार्क के नाम 59 विकेट हैं। अकरम 55 विकेट के साथ सूची में पांचवें और बोल्ट 52 विकेट के साथ छठे स्थान पर हैं। मौजूदा विश्व कप में बोल्ट ने अब तक 9 मैच खेलकर 11 विकेट लिए हैं। ट्रेंट बोल्ट ने श्रीलंका के खिलाफ तीन विकेट हासिल कर कहा कि हमने विकेट के बारे में जो सोचा, विकेट उससे थोड़ा अलग था। विश्वास है कि हम बाहर जा सकते हैं और इसका पीछा कर सकते हैं।

नाओमी ओसाका दिसंबर में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापसी करेंगी

ब्रिस्बेन। पूर्व विश्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका अपनी बेटी को जन्म देने के छह महीने बाद दिसंबर में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के जरिये 2024 में वापसी करने के लिए तैयार हैं। 26 वर्षीय जापानी ने इस साल की शुरुआत में जनवरी में अपनी गर्भावस्था की घोषणा की और जुलाई में अपनी बेटी शाई को जन्म दिया। चार बार की प्रमुख चैंपियन ने सितंबर 2022 में टोक्यो में टोरे पैन पैसिफिक के बाद से डब्ल्यूटीए टूर पर कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। 31 दिसंबर से शुरू होने वाला डब्ल्यूटीए 500 इवेंट ब्रिस्बेन, ओसाका का नए सीज़न का पहला टूर्नामेंट होगा। ओसाका ने कहा, मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सीज़न शुरू करना पसंद है और वापसी का इंतजार नहीं कर सकती। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल एक शानदार टूर्नामेंट है और यह मुझे इस गर्मी में शानदार वापसी के लिए तैयार करेगा। ओसाका की वापसी के साथ ही, ब्रिस्बेन अंतर्राष्ट्रीय आयोजकों ने दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अजारेंका के महिला डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट में शामिल होने की पुष्टि की है, जिससे मुख्य ड्रॉ में खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। वर्ल्ड नंबर 22 अजारेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में जीत-हार का शानदार रिकॉर्ड 15-2 का बनाया है, उन्होंने 2009 और 2016 में खिताब जीता था।

अपने प्रदर्शन से सभी को चकित करने वाली अफगान टीम से प्रभावित दिखे विवियन रिचर्ड्स

मुंबई ।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स का कहना है कि क्रिकेट विश्व कप के दौरान अफगान टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी को चकित कर दिया है। विवियन ने कहा कि मेरे लिए इस विश्व कप का एक मुख्य आकर्षण अफगानिस्तान को देखना है। अगर उन्हें 250 से अधिक का स्कोर मिलता है, तब उनके पास जो गेंदबाजी इकाई है, उसका मतलब है कि वे हर समय खेल में बने रह सकते हैं। रिचर्ड्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार पारी खेलकर अफगानिस्तान को भले ही जीत से वंचित कर दिया हो लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। रिचर्ड्स ने युवा शुभमन गिल की भी काफी प्रशंसा कर कहा कि वे खिलाड़ी हैं जो 'स्टाइल के साथ बल्लेबाजी करते हैं और 'उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके पास सभी बड़े शॉट् हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह की 'मानसिकता के साथ भारतीय खिलाड़ी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, वे इस तरह खेलते हुए खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने रोहित शर्मा की टीम से आग्रह किया कि वे नकारात्मक विचार मन में लाना बंद करें कि एक खराब मैच सामने आ सकता है। रिचर्ड्स का मानना है कि पाकिस्तान अब भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब भी नॉकआउट चरण में जगह बना सकता है लेकिन मैं यह सोचने से खुद को नहीं रोक सकता कि उनके पास जो प्रतिभा है, उसे देखते हुए उन्हें पहले ही अपना स्थान पक्का कर लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने लिए चीजों को कठिन बना लिया है - मुझे लगता है कि वे तालिका में अपनी स्थिति से कहीं अधिक प्रतिभाशाली टीम हैं।

श्रीलंका के खराब प्रदर्शन का कारण है निरंतरता की कमी : क्रिस सिल्वरवुड

बेंगलुरु। न्यूजीलैंड से पांच विकेट की हार के साथ विश्व कप 2023 में श्रीलंका का अभियान समाप्त होने के बाद मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड टूर्नामेंट में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन का कारण टीम में निरंतराता की कमी बताई। 1996 का चैंपियन श्रीलंका पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका था और उसे गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के हाथों टूर्नामेंट में सातवीं हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहा। श्रीलंकाई टीम के कोच ने कहा, मुझे लगता है कि निरंतरता ही हार का कारण है। इस अभियान के दौरान कुछ ऐसे मैच हुए हैं, यदि हमने उन अवसरों का लाभ उठाया होता जो हमें मिले थे, तो यह बहुत अलग दिख सकता था। लेकिन तथ्य यह है कि हम खराब प्रदर्शन कर रहे थे। श्रीलंका को प्रतियोगिता में बल्ले की निरंतरता को लेकर हमेशा समस्या रही और यहां तक कि नियमित कप्तान दासुन शनाका और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा की चोटों के अलावा, उसने टूर्नामेंट में दस मौके भी गंवाए।

मैक्सवेल की तूफानी पारी ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में विश्वास ला दिया

पूर्व कप्तान रिंकी पोंटिंग मैक्सवेल के हुए मुरीद

मुंबई । ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर और पूर्व कप्तान रिंकी पोंटिंग का मानना है कि अफगानिस्तान के खिलाफ ग्लेन मैक्सवेल की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलियाई टीम को काफी विश्वास मिलेगा और यह विश्व कप में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मैक्सवेल ने चोट से उबरकर अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 128 गेंदों (21 चौकों और 10 छक्कों) में नाबाद 201* रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद की। 292 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम का स्कोर एक समय 91/7 था। लेकिन मैक्सवेल और कप्तान पैट कमिंस ने हार के जबड़े से जीत छीन ली। पोंटिंग ने कहा, मैं बहुत सारे मैच खेल हूं और मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा है और अगर मैं फिर कभी ऐसा कुछ देखूंगा तब मुझे बहुत आश्चर्य होगा। यह सबसे उल्लेखनीय चीज थी जो आपने क्रिकेट में शायद कभी देखी हो। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के लिए विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने का बहुत बड़ा मतलब है। इस अविश्वसनीय जीत ने विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की लगातार छठी जीत दर्ज की और टूर्नामेंट के निर्णायक स्थान के लिए अगले सप्ताह एक रोमांचक सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के साथ पांच बार के चैंपियन का मुकाबला तय कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पोंटिंग को लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाफ मैक्सवेल की वीरता ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना विजयी क्रम जारी रखने के लिए उत्प्रेरक साबित हो सकती है और उन्हें यह विश्वास प्रदान करेगी कि वे आगे बढ़ सकते हैं और एक और विश्व कप खिताब जीत सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, जितनी भी महान टीमों के साथ मैंने खेला है और जितनी भी महान टीमों के साथ मैं रहा हूं, उनका हमेशा यह विश्वास रहा है कि वे कहीं से भी जीत सकते हैं और वस्तुतः कहीं भी, यहां तक कि विश्व कप अभियान भी जिसमें मैं खेला था।

क्रिकेट विश्व कप 2023 में अब तक लगे सबसे ज्यादा सिक्सर

महज 40 मुकाबलों में लगे 516 छक्के

मुंबई ।

क्रिकेट विश्व कप 2023 बड़े शॉट के लिए जाना जाएगा। इस दौरान विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। अब तक यह रिकॉर्ड 2015 क्रिकेट विश्व कप के नाम पर था, जब 463 छक्के जड़े गए थे। लेकिन इंग्लैंड बनाम नीदरलैंड मैच के साथ ही महज 40 मुकाबलों में ही क्रिकेट विश्व कप 2023 की यह संख्या 516 तक पहुंच गई है। इस दौरान दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर सबसे ज्यादा चौके और छक्के लगाने वाली टीम बन गई है। टीम इंडिया की ओर से भले ही रोहित शर्मा सर्वाधिक 22 छक्के लगा चुके हैं लेकिन टीम इंडिया 54 छक्कों के साथ इस लिस्ट में काफी नीचे नजर आ रही है।

विश्व कप में लगे अब तक छक्के

साल 2023 विश्वकप में अबतक 516 छक्के लग चुके हैं। जबकि अभी विश्वकप में कई महत्वपूर्ण मुकाबले होना बाकी है। वहीं साल 2019 विश्वकप में 357 छक्के लगे थे। साल 2015 विश्वकप में 463 गगंनचुंबी छक्के लगे थे।

साल 2011 में 258 सिक्सर मारे गए। साल 2007 में 373 छक्के लगे। साल 2003 में 266 छक्के लगे। साल 1999 विश्वकप में 153 छक्के मारे गए।

(आंकड़े 40 मैचों तक)

विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में 22 छक्कों के साथ ग्लेन मैक्सवेल, ऑस्ट्रेलिया हैं। वहीं 22 छक्के भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी लगा चुके हैं। डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी 20 छक्के लगा चुके हैं। 18 छक्के क्विंटन डीकॉक, दक्षिण अफ्रीका के नाम है। पाकिस्तान के खिलाड़ी 18 छक्के फखर जमां के नाम पर है।

किस टीम ने लगाए कितने छक्के

43 छक्क इंग्लैंड के नाम, 66 छक्के न्यूजीलैंड के नाम दर्ज, 54 छक्के पाकिस्तान के नाम, 37 छक्के बांग्लादेश के नाम, 36 छक्के अफगानिस्तान,

82 छक्के साऊथ अफ्रीका, 54 छक्के भारत, 76 छक्के ऑस्ट्रेलिया, 24 छक्के नीदरलैंड्स और 42 छक्के श्रीलंका के नाम दर्ज है।

वहीं, चौके लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की टीम सर्वाधिक 215 चौके लगा चुकी है। इसके बाद न्यूजीलैंड (214), दक्षिण अफ्रीका (212), फिर भारत (198) का नाम आता है। पाकिस्तान (193), इंगलैंड (181), श्रीलंका (180) बांग्लादेश (162), अफगानिस्तान (158) तो नीदरलैंड 144 चौके लगा चुकी है।

टूर्नामेंट के दौरान दक्षिण अफ्रीकी हिटर पूरे जोश में हैं। द.अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पहले ही टूर्नामेंट के एक संस्करण में एक टीम द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। 2019 में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 76 छक्के उड़ाए थे। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज अभी से 82 छक्के लगाकर इस तोड़ चुके है। ऑस्ट्रेलिया (76), न्यूजीलैंड (66) और भारत (54) का भी इस लिस्ट में नाम है।

विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयर में 49 छक्कों के साथ क्रिस गेल शीर्ष पर है। वहीं रोहित शर्मा 44 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर, 43 छक्के ग्लेन मैक्सवेल के नाम, 37 छक्के एबी डीविलियर्स, 37 छक्के डेविड वॉर्नर के नाम पर, 31 छक्के रिकी पोंटिंग के नाम पर। सचिन तेंदुलकर के नाम पर विश्व कप में बतौर बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है, लेकिन वह विश्व कप में सिर्फ 27 छक्के ही लगा पाए हैं। सौरव गांगुली ने 21 वीरेंद्र सहवाग 18 छक्के लगा चुके हैं। टॉप 10 में सिर्फ एक ही भारतीय रोहित शर्मा केरूप में मौजूद है जोकि इस विश्व कप में इस लिस्ट में टॉप पर आ सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महालक्ष्मी सम्पूर्ण जगत का वैभव और ऐश्वर्य प्रदान करने वाली परम शक्ति हैं। इन्ही की कृपा से जीव-जन्तु समृद्धि को प्राप्त करते हैं और अन्न, जल ग्रहण कर अपना जीवनयापन करते हैं। ऐसे ही महालक्ष्मी के अनेक रूप पुराण, तन्त्र इत्यादि ग्रंथों में प्रचलित हैं। प्रस्तुत लेख में महालक्ष्मी के ऐसे ही रूपों को स्पष्ट किया गया है।

अद्भुत स्वरूप हैं महालक्ष्मी के

1. लक्ष्मी : लक्ष्मी नाम से प्रसिद्ध ऐश्वर्य एवं कल्याण की वृष्टि करने वाली यह देवी सर्वविदित है। इनका लक्ष्मी नाम से वर्णन पुराण एवं कई तन्त्र ग्रंथों में हुआ है। लक्ष्मीतंत्र नाम के तंत्र ग्रंथ में इनका मूल स्वरूप लक्ष्मी नाम से प्रकट किया गया है।

2. महिषमर्दिनी : माँ लक्ष्मी का महिषमर्दिनी रूप मार्कण्डेय पुराण में उल्लिखित है। मार्कण्डेय पुराण के अध्याय दुर्गासप्तशती के नाम से भी जाने जाते हैं। दुर्गासप्तशती में मध्यचरित की देवी महालक्षे हैं, जिन्होंने महिष नामक दैत्य का अन्त किया था और समस्त देवताओं तथा सामान्यजन को पीड़ा से छुटकारा दिलाया था। इनका प्राकट्य त्रिशक्ति और सभी देवताओं के शरीर से हुआ था।

3. कमला : कमला दशमहाविद्याओं में से अंतिम महाविद्या है। कमल पर आसीन होने के कारण इन्हें कमला कहा जाता है। यह महालक्ष्मी का ही एक रूप है। इन्हें विभिन्न प्रकार के सुख, द्रव्य, समृद्धि प्रदान करने वाली देवी के रूप में माना जाता है।

4. भृगुतनयाः विष्णु पुराण में माँ लक्ष्मी को भृगु ऋषि और ख्याति की पुत्री बताया गया है। इसलिए माँ लक्ष्मी को भृगुतनया कहा जाता है।

5. समुद्रतनया : दुर्वासा ऋषि के शाप से माँ लक्ष्मी समुद्र में विलीन हो गई थीं। पुनः इनका प्राकट्य समुद्र से होने के कारण इन्हें समुद्रतनया कहा जाता है।

6. रमा : माँ लक्ष्मी कामदेव की माँ हैं। उनकी सृष्टि के नियमों का पालन करवाने में कामदेव का प्रमुख योगदान था। वे अपनी मां लक्ष्मी जी के आदेश के अनुसार दण्ड भी दिया करते थे। माँ लक्ष्मी को पुत्र कामदेव से अत्यधिक स्नेह था। माँ लक्ष्मी का यह रूप रमा नाम से जाना जाता है।

7. श्री : श्री नाम माँ लक्ष्मी का भी है और ललिता बालत्रिपुर सुन्दरी का भी। एक बार लक्ष्मी जी ने कुल की अधिष्ठात्री देवी ललिता की कई वर्षों तक उपासना की थी। इस उपासना से प्रसन्न होकर ललिता ने अपना घर और नाम अर्थात् श्री और श्रीयंत्र दोनों माँ लक्ष्मी को प्रदान कर दिए तभी से माँ लक्ष्मी श्री के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

8. कीर्ति : लक्ष्मीतंत्र में माँ लक्ष्मी इन्द्र से अपने प्रमुख चार रूपों का वर्णन करते हुएएकहती हैं कि चार रूपों में विभक्त हूं। इनमें से कीर्ति नाम का द्वितीय रूप है, जो यश प्रदान करने वाला है।

9. जया : लक्ष्मीतंत्र में उल्लिखित कीर्ति रूप के समान ही जया रूप भी है। माा लक्ष्मी जया रूप में विजय प्रदान करती हैं।

10. माया : कीर्ति एवं जया के समान ही चतुर्थ रूप माया है। माया रूप में माँ लक्ष्मी सभी सुखों को प्रदान करती है।

11. वैष्णवी : माँ लक्ष्मी भगवान विष्णु की अर्धांगिनी हैं। भगवान विष्णु उन्हीं की शक्ति से सभी लीलाओं को रचते हैं। समुद्र से प्रकट होने पर माँ लक्ष्मी ने उनके वक्षस्थल में अपना निवास बनाया था। भगवान विष्णु को धारण करने के कारण ही वे वैष्णवी कहलाईं।

12. सीता : त्रेतायुग में जब भगवान विष्णु राम के रूप में प्रकट हुए, तो उनकी अर्धांगिनी के रूप में लक्ष्मी ने सीता के रूप में जन्म लिया था।

13. राधा एवं रुक्मणी : द्वापरयुग के अंत में जब भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया था, तब माँ लक्ष्मी ने उनकी शक्ति के रूप में राधा के रूप में जन्म लिया। रुक्मणी को भी माँ लक्ष्मी का रूप और श्रीकृष्ण की शक्ति माना जाता है।

14. आदिलक्ष्मी : आदिलक्ष्मी अष्टलक्ष्मी में से एक है, जिनके एक हाथ में कमल है तो दूसरे हाथ में सफेद झंडा है और अन्य दो हाथों में अभयमुद्रा एवं वरमुद्रा है।

15. ऐश्वर्य लक्ष्मी : ऐश्वर्य लक्ष्मी अष्ट लक्ष्मी मूर्तियों में द्वितीय लक्ष्मी हैं। ये भी चार भुजाओं वाली हैं और सफेद वस्त्र धारण करती हैं।

16. धन लक्ष्मी : धनलक्ष्मी छह हाथों वाली है और लाल वस्त्र धारण करती है। इनके हाथ में चक्र, दूसरे में शंख, तीसरे में अमृत कलश, चौथे में धनुष-बाण, पांचवें में कमल तथा छठा हाथ अभयमुद्रा रूप में है। ये निरंतर मुद्राओं की वर्षा करती हैं।

17. धान्यलक्ष्मी : धान्यलक्ष्मी आठ भुजाओं वाली है। हरे वस्त्र धारण करती है। इनके हाथों में क्रमशः कमल, गदा, फसल, गन्ना, केला, अभय एवं वरमुद्रा है।

18. गज लक्ष्मी : गजलक्ष्मी अष्टलक्ष्मी में से एक है। इनके चार भुजाएं हैं और ये लाल वस्त्र धारण करती हैं। इनके पीछे दो हाथी होते हैं, जो जल कलशों से इन पर वर्षा कर रहे हैं।

19. सन्तान लक्ष्मी : सन्तान लक्ष्मी छह हाथों वाली हैं। इनके हाथ में क्रमशः कलश, तलवार, ढाल, वर मुद्रा और एक भुजा में बच्चा है। बच्चे के हाथ में एक कमल है। इनकी उपासना श्रेष्ठ सन्तति प्रदान करने वाली है।

20. वीर लक्ष्मी : वीर लक्ष्मी आठ भुजाओं वाली हैं और लाल वस्त्र धारण करती हैं। इनके हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, धनु-बाणष त्रिशूल, पुस्तक, अभयमुद्रा और वरमुद्रा है।

21. विजयलक्ष्मी : विजयलक्ष्मी अष्ट लक्ष्मियों में से एक हैं। ये आठ भुलाओं वाली हैं, जो लाल वस्त्रों को धारण करती हैं। इनके हाथों में चक्र, शंख, तलवार, ढाल, कमल, पाश और अभयमुद्रा है।

श्री महालक्ष्मी का पूजन क्यों?

लक्ष्मी जी के पूजन के साथ अन्य देवी-देवताओं का भी पूजन क्यों किया जाताहै, यह प्रश्न एक बार कुछ महर्षियों और मुनियों ने सनत कुमार से पूछा तो सनत कुमार ने बताया कि लक्ष्मी जी जब समस्त देवी-देवताओं के साथ राजा बलि के यहां बंधक थीं, तब भगवान विष्णु ने उन्हें सभी देवताओं के साथ दीपावली के दिन ही बलि की कैद से मुक्त कराया था और बलि की कैद से मुक्ति पाकर लक्ष्मी तथा सभी देवता जाकर क्षीरसागर में सो गए।

श्री महालक्ष्मी के साथ अन्य देवी-देवताओं के भी पूजन का यही उद्देश्य है कि क्षीरसागर को छोड़कर हमारे घर समस्त देवी-देवताओं के साथ पधारें और लक्ष्मी के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं की कृपा दृष्टि भी हम पर सदैव बनी रहे।

ऐसे करें लक्ष्मी पूजन

दीपावली के दिन जहां व्यापारी वर्ग अपनी दुकान या प्रतिष्ठान पर दिन में लक्ष्मी का पूजन करता हैं, वहीं दूसरी ओर गृहस्थ सांय प्रदोष काल में महालक्ष्मी का आह्वान करते हैं। गोधूलि लग्न में पूजा आरंभ करके महानिशीथ काल तक अपने-अपने अस्तित्व के अनुसार महालक्ष्मी के पूजन को जारी रखा जाता है। इसका अभिप्रायः यह है कि जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक षटकर्म करते हैं।

पूजन की सामग्री

महालक्ष्मी पूजन में केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, दीपक, रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक स्वास्तिक

सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के तरीकों में स्वस्तिक का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए स्वास्तिक ने मंगल चिन्हों में प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मंगल प्रसंगों के अवसर पर पूजा स्थान तथा दरवाजे की चौखट और प्रमुख दरवाजे के आसपास स्वास्तिक चिन्ह बनाने की परंबरा है। वे स्वास्तिक कतई परिमाण नहीं देते, जिनका संबंध प्लास्टिक, लोहा, स्टील या लकड़ी से हो। सोना, चांदी, तांबा अथवा पंचधातु से बने स्वास्तिक प्राण प्रतिष्ठित करवाकर चौखट पर लगवाने से सुखद परिणाम देते हैं, जबकि रोली-हल्दी-सिन्दूर से बनाए गए स्वास्तिक आत्मसंतुष्टि ही देते हैं।

अशांति दूर करने तथा पारिवारिक प्रगति के लिए स्वास्तिक यंत्र रवि-पुष्य, गुरू-पुष्य तथथ दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी श्रीयंत्र के साथ लगाना लाभदायक है। अकेला स्वास्तिक यंत्र ही एक लाख चौबीस धनात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है। वास्तुदोष के निवारण में भी चीनी कछुआ 700 चौबीस भर देने की क्षमता रखता है, जबकि गणेश की प्रतिमा और उसका वैकल्पिक स्वास्तिक आकार एएलाख चौबीस की समानता रहने से प्रत्येक घर में स्थापना वास्तु के कई दोषों का निवारण करने की शक्ति प्रदान करता है।

गाय के दूध, गाय के दूध से बने हुएएदही और घी, गोनीत, गोबल जिसे पंचगव्य कहा जाता है, को समानुपात से गंगाजल के साथ मिलाकर आम अथवा अशोक के पत्ते से घर तथा व्यावसायिक केंद्रों पर प्रतिदिन छिड़काव करने से ऋणात्मक ऊर्जा का संहार होता है। तुलसी के पौधे के समीप शुद्ध घी का दीपक प्रतिदिन लगाने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

गाजा में संघर्ष-विराम की मांग पर मीडियाकर्मियों ने प्रदर्शन किया

गाजा । गाजा में तत्काल संघर्ष-विराम की मांग को लेकर न्यूयॉर्क स्थित द न्यूयॉर्क टाइम्स के कार्यालय की लॉबी में फलस्तीन समर्थकों ने प्रदर्शन कर इजराइल-हमास युद्ध की निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाए जाने का आरोप लगाया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी मीडिया संस्थान के मैनहट्टन कार्यालय में एकत्र हुए।इनमें से कई लोग इमारत के प्रांगण में आ गए और एक घंटे से अधिक समय तक धरना दिया।यह प्रदर्शन मीडियाकर्मियों के राइटर्स ब्लॉक नामक एक समूह के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में मारे गए हजारों फलस्तीनियों का उल्लेख किया जिनमें कम से कम 36 पत्रकार शामिल हैं।उन्होंने एक छद्म समाचार पत्र- द न्यूयॉर्क वॉर क्राइम्स के संस्करण बांटे, जिसमें मीडिया पर नरसंहार को वैध बनाने में संलिप्तता का आरोप लगाया गया और टाइम्स के संपादकीय बोर्ड से संघर्ष-विराम का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने की मांग की है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस प्रदर्शन के दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं। इससे पहले भी अमेरिका में विभिन्न समूहों ने गाजा में जारी इजराइल के हमलों के खिलाफ प्रदर्शन किए हैं। हमास शासित गाजा प्रशासन के अनुसार गाजा में युद्ध के दौरान 10 हजार 800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।हमास ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध छिड़ गया।

अवैध रुप से ब्रिटेन की यात्रा करने गये भारतीयों की वापसी होगी आसान

लंदन।भारत और ब्रिटेन के बीच बेहतर हो रहे रिश्तों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा है।दोनों देश एक दूसरे के साथ मिलकर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने के प्रयास में लगे हैं। ऐसे ही प्रयासों के चलत ब्रिटेन सरकार ने भारत को सुरक्षित देशों की विस्तारित सूची में शामिल करने की योजना पेश की है, जिससे देश से अवैध रूप से यात्रा करने वाले भारतीयों की वापसी की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। साथ ही ब्रिटेन में शरण मांगने की उनकी संभावना खत्म हो जाएगी।हाउस ऑफ कॉमंस में रखे गए मसौदा कानून में भारत और जॉर्जिया को सूची में जोड़े जाने वाले देशों के रूप में शामिल किया गया है। गृह कार्यालय ने कहा कि भारतीय और जॉर्जियाई नौकाओं का आगमन पिछले वर्षों में बढ़ गया है, जबकि इन देशों के व्यक्तियों पर उत्पीड़न का कोई स्पष्ट खतरा नहीं है। इसने कहा, इन देशों को सुरक्षित मानने का मतलब यह होगा कि यदि कोई व्यक्ति इनमें से किसी देश से अवैध रूप से आता है, तो हम ब्रिटिश शरण प्रणाली में उनके दावे को स्वीकार नहीं करेंगे। ब्रिटेन द्वारा सुरक्षित समझे जाने वाले अन्य देशों में अल्बानिया और स्विट्जरलैंड, यूरोपीय संघ (ईयू) और यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) से जुड़े देश शामिल हैं। देश की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने कहा, हमें सुरक्षित देशों से ब्रिटेन की खतरनाक और अवैध यात्रा करने वाले लोगों को रोकना चाहिए।उन्होंने कहा, इस सूची का विस्तार करने से हमें उन लोगों को अधिक तेजी से हटाने में मदद मिलेगी जिनके पास यहां रहने का अधिकार नहीं है।यह एक स्पष्ट संदेश भेजता है कि यदि आप अवैध रूप से यहां आते हैं, तो आप नहीं रह सकते। हम अपने प्रवासन अधिनियम में उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अवैध प्रवासन के खिलाफ लड़ाई में एक भूमिका निभाएगा।ब्रिटेन के गृह कार्यालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य देश की इमीग्रेशन या आव्रजन प्रणाली को मजबूत करना और सुरक्षा संबंधी निराधार दावे करने वाले लोगों को प्रणाली का दुरुपयोग करने से रोकना है।

नेपाल सरकार को नुकसान के आरोप में भारतीय से 5.54 करोड़ नेपाली रुपये चुकाने की मांग

काठमांडू।नेपाल सरकार के स्वामित्व वाली जमीन के एक टुकड़े का मालिकाना हक लेने के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने और सरकारी खजाने को 5.4 करोड़ नेपाली रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक भारतीय नागरिक के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है।एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कमीशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ अब्यूज ऑफ ऑथोरिटी ने अनूप मेहरा के खिलाफ एक मामला दर्ज कर 5.54 करोड़ नेपाली रुपये चुकाने की मांग की है।मेहरा ने अपने पक्ष में एक फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जमीन का मालिकाना हक लेने के लिए नवलपारसी के भूमि सुधार कार्यालय के प्रमुख को प्रभावित किया था। इसके बाद उसने जमीन के टुकड़े को तीसरे पक्ष को बेच दिया।सीआईएए में सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप में मेहरा के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। हालांकि भारतीय नागरिक अभी फरार है।

अमेरिका में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन इजराइल-हमास जंग पर निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाने का आरोप

न्यूयॉर्क ।गाजा में तत्काल संघर्ष-विराम की मांग को लेकर न्यूयॉर्क में द न्यूयॉर्क टाइम्स के कार्यालय की लॉबी में फलस्तीन समर्थकों ने प्रदर्शन किया तथा इजराइल-हमास जंग पर निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाने का आरोप लगाया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी मीडिया के मैनहट्टन कार्यालय में एकत्र हुए। इनमें से कई लोग इमारत के प्रांगण में आ गए और एक घंटे से अधिक समय तक धरना दिया। यह प्रदर्शन मीडियाकर्मियों के राइटर्स ब्लॉक नामक समूह के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में मारे गए हजारों फलस्तीनियों का जिक्र किया जिनमें 36 पत्रकार हैं। उन्होंने एक छद्म समाचार पत्र- द न्यूयॉर्क वॉर क्राइम्स के संस्करण बांटे जिसमें मीडिया पर नरसंहार को वैध बनाने में लिप्तता का आरोप लगाया और टाइम्स के संपादकीय बोर्ड से संघर्ष-विराम का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने की मांग की है।अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बृहस्पतिवार को किए गए इस प्रदर्शन के दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं। इससे पहले भी अमेरिका में विभिन्न समूहों ने गाजा में जारी इजराइल के हमलों के खिलाफ प्रदर्शन किए हैं।हमास शासित गाजा प्रशासन के अनुसार गाजा में युद्ध के दौरान 10 हजार 800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।हमास ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध छिड़ गया। हमास के हमलों में इजराइल में कम से कम 1 हजार 400 लोगों की अब तक मौत हुई है।

दुनिया में ब्रिटेन की महिलाएं सबसे बड़ी शराबी

लंदन ।चेंज यूके के मुख्य कार्यकारी डॉक्टर रिचर्ड पाइपर ने कहा,सरकार को शराब पर नियंत्रण के लिए नए उपाय करने की जरूरत है।सरकार शराब से होने वाले नुकसान से लोगों को बचाए।ब्रिटेन में महिलाएं सबसे ज्यादा शराब पीती हैं। एक बार में वह 6 पेग तक शराब पी जाती हैं।शराब पीने वालों में 55 फ़ीसदी पुरुष है। 45 फ़ीसदी महिलाएं शराब का सबसे ज्यादा सेवन करती हैं। इतनी शराब दुनिया के और किसी अन्य देश में महिलाओं द्वारा नहीं पी जाती है। ओसीडी की रिपोर्ट के अनुसार केवल पांच देश जिसमे अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान और ऑस्ट्रेलिया स्वास्थ्य की दृष्टि से अपनी जीडीपी का सबसे ज्यादा खर्च करते हैं।रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में स्वास्थ्य की देखभाल के लिए बहुत कम खर्च किया जाता है।ब्रिटेन में नर्सो को कम वेतन मिलता है। अस्पताल में पर्याप्त बेड उपलब्ध नहीं है। चिकित्सा उपकरण भी कम है। जिसके कारण ब्रिटेन के लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल पा रही है।

दुबई में पूजा कराने के लाखों रुपए की दक्षिणा वसूल कर रहे हैं पंडित

दुबई ।भारतीय पंडितों की विदेश में बड़ी मांग हो रही है।सबसे ज्यादा मांग दुबई से आ रही है। भारतीय परंपरा और रीति रिवाज से पूजा करने के लिए पंडित विदेश जा रहे हैं। दुबई में पूजा पाठ संपन्न करने के लिए भारतीय पंडित लाखों रुपए की दक्षिणा वसूल कर रहे हैं। दुबई की दूरी कम है, दो दिन के अंदर पूजा कराकर वापस भी आ जाते हैं। यजमान खुद वीजा और हवाई जहाज के टिकट भेज देते हैं।भारतीय पंडित वहां जाकर बढ़िया खाते पीते,रहते हुए पूजा पाठ कराकर लाखों रुपए की दक्षिणा लेकर वापस आते हैं।

पंडितों का सोना प्रेम- दुबई में दीपावली पर सोने की मांग 50 फीसदी तक बढ़ जाती है।जो पंडित वहां पर पूजा कराने जाते हैं।वह दक्षिणा के पैसे से सोना खरीद कर ले आते हैं। इस साल 500 से अधिक पंडित दीपावली की पूजा करने दुबई जाएंगे। इसके अलावा अन्य देशों में भी दीपावली की पूजा के लिए बड़ी संख्या में पंडित गए हुए हैं।पहले पूजा करने के लिए उत्तर भारत के पुजारी और पंडित जाते थे। लेकिन अब दक्षिण भारत के भी पंडित भी दुबई और अन्य देशों में पूजा करने के लिए जा रहे हैं। इसके लिए जो प्रवासी भारतीय हैं, वह एडवांस में पंडितों को बुक कर लेते हैं।

कम्बोडियन राजा नोरोडोम सिहामोनी (सी) ने कंबोडिया के नोम पेन्ह में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्वतंत्रता स्मारक के अंदर औपचारिक विजय अग्नि जलाई।

10 भारतीय-अमेरिकियों ने राज्य और स्थानीय चुनावों में जीत हासिल की

वाशिंगटन ।अमेरिका में रह रहे 10 भारतीय-अमेरिकियों ने स्थानीय चुनावों में शानदार जीत हासिल की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए स्थानीय व राज्य स्तर के चुनावों में यह जीत मिली है।इनमें से ज्यादातर भारतवंशी डेमोक्रेट पार्टी से संबंधित हैं। यह जीत अमेरिका की राजनीति में भारतीय समुदाय के बढ़ते दबदबे को दर्शाती है। जानकारी के अनुसार सुहास सुब्रमण्यम भी वर्जीनिया की सीनेट के लिए फिर से चुने गए हैं।वह दो बार 2019 और 2021 में हाउस ऑफ डेलीगेट्स के लिए निर्वाचित हुए थे। ह्यूस्टन में जन्मे सुब्रमण्यम पूर्ववर्ती ओबामा प्रशासन के दौरान व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी नीति सलाहकार रहे थे। इसी तरह व्यापार क्षेत्र के दिग्गज कन्नन श्रीनिवासन भारतीय-अमेरिकियों के प्रभुत्व वाले लाउडन काउंटी क्षेत्र से वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स के लिए चुने गए हैं। वहीं, न्यू जर्सी से भी तीन भारतीय-अमेरिकियों ने जीत हासिल की है। न्यू जर्सी में भारतीय-अमेरिकी विन गोपाल और राज मुखर्जी राज्य सीनेट के लिए चुने गए हैं। इनके अलावा बलवीर सिंह न्यू जर्सी के बर्लिंगटन काउंटी बोर्ड ऑफ काउंटी कमिश्नर में फिर से निर्वाचित हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पेनसिल्वेनिया में नील मुखर्जी (डेमोक्रेट) ने मोंटोगोमेरी काउंटी कमिश्नर, जबकि इंडियाना में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. अनिता जोशी ने कार्मेल सिटी काउंसिल सीट की वेस्ट डिस्ट्रिक्ट सीट पर जीत हासिल की है। जब ?कि गैर-लाभकारी लैंड बैंक के सीईओ अरुणन अरुलमपालम को कनेक्टिकट में हार्टफोर्ड के मेयर के रूप में चुना गया है। अरुणन जिम्बाब्वे से अमेरिका आए थे। चुनावों में जीत हासिल करने के बाद सभी 10 भारतीय-अमेरिकियों ने अपने क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए काम करने की बात कही है।

इजरायल-गाजा में युद्धग्रस्त मानवीयता के लिए संघर्ष विराम लागू

-प्रतिदिन 4 घंटे संघर्ष विराम से वांछित बंधकों को सुरक्षित निकालने का मिलेगा अवसर

-अमरीकी राष्ट्रपति और इजरायली प्रधानमंत्री के गहन चिन्तन पश्चात संघर्ष विराम निर्णय महत्वपूर्ण : जॉन किर्बी

वाशिंगटन (एजेंसी)। युद्धग्रस्त इजरायल उत्तरी गाजा में मानवीय राहत के उद्देश्य से सैन्य अभियानों में प्रतिदिन 4 घंटे का संघर्ष विराम का निर्णय लिया गया है। इजरायल उत्तरी गाजा के चयनित क्षेत्रों में सैन्य अभियानों में प्रतिदिन 4 घंटे का संघर्ष विराम शुरू करेगा, जहां उसकी सेनाएं संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों से मानवीय सहायता एन्क्लेव में भेजने की अनुमति देने के लिए हमास से जमकर लड़ रही हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इस रोक का उद्देश्य घिरे क्षेत्र में मानवीय सहायता पहुंचाना और नागरिकों को युद्ध क्षेत्र से भागने की अनुमति देना है।राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि इजरायल तीन घंटे पहले ही संघर्ष विराम के समय की घोषणा करेगा।किर्बी ने इसे सही दिशा में उठाया कदम बताते हुए कहा कि इजरायलियों ने आज से शुरू हो रही इस रोक अवधि को लेकर आश्वस्त किया कि इस दौरान इन क्षेत्रों में किसी तरह का सैन्य अभियान नहीं होगा । चार घंटे के ठहराव की अनुमति देने का इजरायल का महत्वपूर्ण निर्णय प्रशासन द्वारा लंबे प्रयासों के बाद आया ताकि मानवीय सहायता मिल सके और लोग सुरक्षित रूप से बाहर निकल सकें। किर्बी ने कहा कि संघर्ष विराम से हमास द्वारा बंधक बनाए बंधकों को सुरक्षित निकालने का मौका मिलेगा। राष्ट्रपति जो बाइडेन और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच गहन चर्चा के बाद घिरे क्षेत्र में प्रतिदिन मानवीय ठहराव के इजरायली निर्णय को महत्वपूर्ण पहल बताया गया। मीडिया की खबरों में कहा गया है कि दोनों सरकारों में नौकरशाही पदानुक्रम के शीर्ष स्तर पर अनुवर्ती चर्चाएं भी हुईं। किर्बी ने कहा कि हम इजरायलियों से नागरिक हताहतों की संख्या को कम करने और उन संख्याओं को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह कर रहे हैं। वे नागरिकों को नुकसान के रास्ते से बाहर निकलने के लिए कुछ घंटों के लिए सांस लेने की जगह प्रदान करेंगे। इजरायल बार-बार नागरिकों को दक्षिणी गाजा में जाने की चेतावनी दे रहा है, क्योंकि वह उत्तर में लक्ष्यों पर हमला कर रहा है, लेकिन दक्षिणी गाजा भी उनके लिए कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं है और दैनिक जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं की वहां भारी कमी है।युद्ध शुरू होने के बाद से नागरिक बड़ी संख्या में गाजा छोड़ने में असमर्थ हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि विदेशी नागरिकों के समूहों और कुछ घायल फिलिस्तीनियों को हाल ही में एन्क्लेव से बाहर जाने की अनुमति दी गई थी। अमेरिका यह देखना चाहेगा कि जब तक गाजा में मानवीय सहायता आवश्यक स्तर पर बनी रहेगी, तब तक रोजाना रोक जारी रहेगी।राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह तीन दिनों से मानवीय विराम की वकालत कर रहे हैं।

भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में इजराइल, चीन और कनाडा पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच शुक्रवार को हुई 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में ना सिर्फ इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध का जिक्र हुआ, बल्कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन से जारी विवाद और कनाडा से चल रहे तनाव को लेकर भी चर्चा हुई। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने इसकी जानकारी दी। विदेश सचिव ने कहा, दोनों देशों के बीच मिडिल ईस्ट के हालात पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी राय रखी। हमारा रुख साफ है, जो चर्चा के दौरान भी आया कि द्वि-राष्ट्र समाधान (टू स्टेट्स सॉल्यूशन) बातचीत और शांति के साथ होना चाहिए। भारत इजरायल पर आतंकी हमले की निंदा करता है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। दूसरी तरफ गाजा में भारत ने मानवीय सहायता भी भेजी है।

क्वात्रा ने चीन विवाद पर चर्चा पर कहा, चीन की आचार संहिता को लेकर क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य में दोनों पक्षों के बीच विस्तृत रूप से वार्ता हुई। भारत-कनाडा विवाद पर उन्होंने कहा, कनाडा के मुद्दे पर हमारे सभी साझेदार देशों के साथ चर्चा अलग-अलग समय पर होती रहती है। हमारी चिंता सुरक्षा को लेकर है। आप लगातार पन्नू के वीडियो देख रहे हैं, जो भारतीयों की सुरक्षा से संबंधित होते हैं। सुरक्षा संबंधित मुद्दे हम लगातार उठाते रहते हैं। टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

पुराने रिश्तों का पुनरोद्धार, 12 साल बाद हुई भारत-मलेशिया संयुक्त आयोग की बैठक, मिले दोनों देशों के विदेश मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर और मलेशिया के विदेश मंत्री जाम्ब्री अब्द कादिर के बीच भारत-मलेशिया संयुक्त आयोग की बैठक 7 नवंबर को हुई। इसने हाल के वर्षों में कई अड़चनों के बाद भारत-मलेशिया संबंधों को फिर से पटरी पर ला दिया। पूर्व विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने आसियान के साथ भारत की साझेदारी के 30 साल पूरे होने के अवसर पर जून 2022 में विशेष भारत-आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। चूंकि मलेशिया की आंतरिक राजनीति प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के तहत स्थिर हो गई है, इसलिए साझेदारी का एक बड़ा इरादा स्पष्ट है।

पिछली बैठक 2011 में होने के बाद से 12 वर्षों के अंतराल के बाद, संयुक्त आयोग की छठी बार बैठक हुई है। महामारी के कारण कुछ देरी को शायद माफ कर दिया गया है, लेकिन कहीं न कहीं ध्यान भटक गया है और विचारों में भिन्नता है। इसलिए जेसीएम जुड़ाव की पुनर्स्थापना और पुराने संबंधों का पुनरुद्धार है। मलेशिया आसियान के मूल सदस्यों में से एक है और लाओस के बाद 2025 में आसियान की अध्यक्षता करेगा। यह दुनिया की समस्याओं, जैसे यूक्रेन संकट, इज़राइल-हमास की आवर्ती समस्या, सीओपी28 जैसे उभरते अन्य कार्यात्मक मुद्दे और एसडीजी प्राप्त करने की धीमी प्रगति पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अच्छा अवसर था।

मूलतः, भारत और मलेशिया को भारत-आसियान रूब्रिक से बाहर निकलने और आसियान प्लस जुड़ाव की आवश्यकता है। रूस और हमास पर यूएनजीए प्रस्तावों पर, मलेशिया और भारत एक ही पृष्ठ पर नहीं हैं, हालांकि उनका इरादा समान है। मलेशिया विश्व स्तर पर सबसे बड़ी पीआईओ आबादी में से एक है, लगभग 2.75 मिलियन, जो मलैया की आबादी का 9 प्रतिशत है। मलेशिया में लगभग 2,25,000 भारतीय प्रवासी रहते हैं, जिनमें अधिकतर आईटी पेशेवर, इंजीनियर और डॉक्टर हैं। इसने मलेशिया को हमेशा भारतीय नीति में एक विशेष स्थान दिया है।

अब जागा कनाडा, बढ़ाई एयरपोर्ट की सुरक्षा

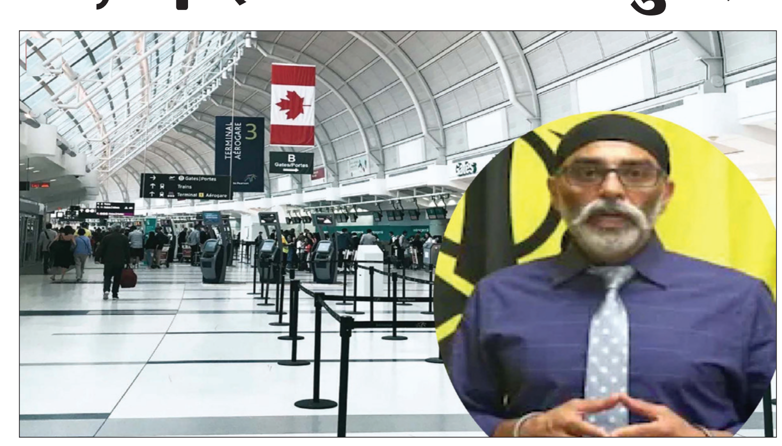

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानी गुरवतवंत पन्नू की धमकी के बाद कनाडा सरकार जागी और उसने एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। वैसे कनाडा इस तरह की सुरक्षा व्यवस्था पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देता है। लेकिन इस बार उसने खालिस्तान समर्थक गुरवतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद भारत ने इस मामले को गंभीरता से लिया था और कनाडाई अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठाया था।

अब कनाडा ने भारत को बताया है कि पन्नू की धमकी को बेहद गंभीरता से लिया गया है और एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कनाडा के मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे उड्डयन विभाग ने इस धमकी पर गंभीरता से विचार किया है और सिक्योरिटी पार्टनर्स के साथ बात करके एयरपोर्ट और विमानों की सुरक्षा में इजाफा किया गया है।इसी बीच टोरंटो स्टार ने रिपोर्ट किया है कि रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस को इस धमकी की जांच करने का आदेश दिया गया है। आरसीएमपी ने सभी धमकियों सेबहुद गंभीरता से लिया है। ओटावा में भारत के हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने भी कहा है गुरपतवंत सिंह पन्नू ने गंभीर अपराध किया है और उसे सजा मिलनी कनाडा सरकार को गंभीरता से विचार करके ऐक्शन लेना चाहिए।

खालिस्तानी सिख फॉर जस्टिस चीफ पन्नू का कहना है कि उसने कोई धमकी नहीं दी है और ना ही उसके वीडियो में हिंसा की कोई बात कही गई। उसने कहा, आरसीएमपी को आतंकी धमकियों की जांच करने का पूरा अधिकार है। उसने कहा कि एयर इंडिया को बायकॉट करने के लिए कहा गया था ताकि भारत पर असर पड़े। अगर यह आतंक है तो एजेंसियों को जांच करने दिया जाए। सब सामने आ जाएगा। बता दें कि कनाडा के टोरंटो और वैनकूवर एयरपोर्ट्स से नई दिल्ली के लिए एयर इंडिया के विमानों का संचालन होता है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी करके 19 नवंबर को एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी दी थी। पन्नू ने कहा था कि कोई भी सिख 19 नवंबर को एयर इंडिया के फ्लाइट से सफर ना करे। उस दिन वैश्विक नाकेबंदी की जाएगी और विमान को नहीं चलने दिया जाएगा। उसने कहा था कि एयर इंडिया के विमान में सफर करने से उनकी जान को खतरा है। उसने कहा था कि 19 नवंबर को इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी बंद किया जाएगा। हालांकि इससे कनाडा में एयर इंडिया के विमान को पहले भी निशाना बनाया जा चुका है। इसलिए इस धमकी को बेहद गंभीरता से लिया गया है। 23 जून 1985 को एयर इंडिया फ्लाइट 182 में बम विस्फोट हुआ था। इसके बाद 329 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद से ही कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आनी शुरू हो गई थी। इस विमान ने मॉन्ट्रियल शहर से उड़ान भरी थी। यह पहले लंदन जाने वाला था और वहां से दिल्ली होकर मुंबई पहुंचने वाला था। इसका नाम सम्राट कनिष्क था। हालाकि आयरलैंड हवाई क्षेत्र में ही इसे बम से उड़ा दिया गया। इसमें सवार 22 हवाई यात्री भारत के थे। वहीं 280 लोग भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

अब कतर में रहे हमास के आकाओं पर इजरायल की नजर

दोहा। गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर इजरायली सेना लगातार बमबारी कर रही है। हमास के खात्मे के लिए इजरायली ग्राउंड फोर्स ऑपरेशन भी चला रही है। वहीं, दूसरी ओर इजरायल की कोशिश हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए नागरिकों को छुड़ाने की भी है। इसके लिए इजरायल की निगाहें कतर पर टिकी हैं। अमेरिकी सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) और इजरायली एजेंसी मोसाद के चीफ ने दोहा में कतर के पीएम से मुलाकात की। खास बात ये है कि कतर में ही हमास पॉलिटिकल हेड इस्माइल हनियेह ने भी शरण ले रखी है।

अफगान शरणार्थियों पर हो रहे जुल्मों को छुपाने के लिए पाकिस्तान ने चला दांव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। झूठ बोलने और सत्य को नकारने में माहिर पाकिस्तान ने अब अफगान शरणार्थियों पर हो रहे जुल्मों को छुपाने के लिए एक नया दांव चला है। पाकिस्तान ने यूएन को आतंकी हमले का अलर्ट भेजा है।

पाकिस्तान में अफगानिस्तान से लगे बॉर्डर और खैबर के आदिवासी जिले में आम नागरिक पर हो रहे अत्याचारों की कहीं पोल ना खुल जाए, इस डर के चलते पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र के रिफ्यूजी कमीशन को आतंकी हमले का अलर्ट दिखाकर आने से रोका है।

पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर अफगानिस्तान ने भी कड़ी नाराजगी जाहिर की है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा इलाके समेत विभिन्न इलाकों में अफगानिस्तान के शरणार्थी नागरिकों और खैबर जिले के आदिवासी नागरिकों पर हो रहे अत्याचार को लेकर संयुक्त राष्ट्र की रिफ्यूजी हाई कमीशन की एक टीम वहां का दौरा कर असली जमीनी हालात का आकलन करना चाहती थी।

पाकिस्तान में अफगानिस्तान के शरणार्थियों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर अफगानिस्तान लगातार विरोध जताता आ रहा है. यहां तक की पाकिस्तान के अनेक बुद्धिजीवी भी पाकिस्तान की इस नई चाल को लेकर परेशान हैं. उनके धार्मिक संगठनों ने भी इस बात को लेकर नाराजगी जाहिर की थी कि जब 40 साल से पाकिस्तान में रह रहे अफगानिस्तान के रिफ्यूजी खतरा नहीं बने तो वह अचानक अब खतरा कैसे बन गए। यूनाइटेड नेशन हाई कमीशन फॉर रिफ्यूजी ने पाकिस्तान सरकार को बताया था कि उनकी एक टीम पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों का दौरा कर शरणार्थियों के बारे में वास्तविक स्थिति का आकलन करना चाहती है।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि लिहाजा संयुक्त राष्ट्र की इस टीम को खैबर में आने से रोका जाए। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने यह पत्र पाकिस्तान के विदेश सचिव को भी भेजा. जिससे संयुक्त राष्ट्र को तत्काल इस बारे में जानकारी देकर उनकी टीम को आने से रोक दिया जाए। इसके साथ ही पाकिस्तान के इरादों की पोल खुल गई। जिसके जरिए वह चाहता है कि उसके देश में मुस्लिम शरणार्थियों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, वो विश्व के सामने नहीं आने पाए।

यूनाइटेड नेशन कमीशन के इस रूख को देखते हुए पाकिस्तान प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। क्योंकि आए दिन वहां पर इस तरह के वीडियो सामने आते रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि शरणार्थियों पर पाकिस्तान फौजी और पुलिस लगातार अत्याचार कर रही है। बूढ़ों और बच्चों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। यूनाइटेड नेशन हाई कमीशन फॉर रिफ्यूजी के आगमन को देखते हुए पाकिस्तान प्रशासन ने अपनी पुरानी चाल चली और आनन-फानन में खतरे का एक अलर्ट जारी कर दिया। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय द्वारा जारी इस अलर्ट में कहा गया है कि यह पता चला है कि संयुक्त राष्ट्र की एक टीम खैबर जिले का दौरा करना चाहती है। लेकिन खैबर जिले में आतंकवादियों द्वारा सरकारी प्रतिष्ठानों तथा अन्य सॉफ्ट जगहों को टारगेट किया जा सकता है।

बीमार उमा भारती ने कहा, अब मैं नहीं करुंगी कोई चुनावी सभा

-सभी प्रत्याशियों की जीत की कामना करुंगी

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है। जिसके लिए 15 नवंबर को शाम 5 बजे प्रचार थम जाएगा। बीजेपी और कांग्रेस ने चुनाव प्रचार अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की चुनावी सभा को लेकर गुरुवार को सागर जिले में बड़ी हलचल हो गई। जहां उमा भारती के सभा में न पहुंचने से बीजेपी प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं की टेंशन बढ़ गई। दरअसल, सुरखी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने ऐलान किया था कि पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती प्रचार करने आ रही हैं। लेकिन, उमा सभा में नहीं पहुंची और उन्होंने इसकी वजह भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताई है। हालांकि, उमा भारती ने मोबाइल के माध्यम से अपना भाषण दिया। उमा ने लिखा, आज सागर जिले की सुरखी विधानसभा से जो तकनीकी कठिनाई आई की स्टार प्रचारक अश्विनी वैष्णव जी वहां थे और मैं मोबाइल से भोपाल से उस सभा में भाषण कर रही थी। श्री वैष्णव जी ने वहां पहुंचकर अपना बड़प्पन दिखाया अन्यथा गोविंद सिंह जी को लाभ की जगह हानि पहुंच गई होती। उन्होंने कहा, मेरा झांसी में इलाज चल रहा था। मुझे यहां बुलबा लिया गया और फिर मैं प्रचार में पहुंच भी नहीं सकी। मुझे बुलाने वाले उम्मीदवारों ने सर्वत्र मेरे आने की चर्चा भी कर दी,अब मैं उनके लिए चिंतित हूं कि सुरखी जैसा सब जगह ना हो जाए। अब मुझे आगे किसी उम्मीदवार को संकट में नहीं डालना इसलिए, अब मेरी कोई सभा नहीं होगी। सिर्फ भगवान से सबकी विजय के लिए प्रार्थना होगी। मैं स्वयं से वचनबद्ध हूं कि देश का, राज्य का और मोदी जी का कभी अहित नहीं करूंगी। उमा ने बताया, 15 तारीख को दोपहर को टीकमगढ़ पहुंच जाऊंगी क्योंकि 17 को सुबह अपने गांव में वोट डालना है। बता दें कि बीजेपी ने बीते दिन एक पत्र जारी कर बताया था कि सुरखी विधानसभा के बिलहरा में भाजपा के समर्थन में उमा भारती जनसभा करेंगी। वे सुरखी के बिलहरा में पुलिस चौकी ग्राउंड में भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत के समर्थन में आमसभा को संबोधित करने वाली थी।

कुमार विश्वास की सुरक्षा में लगे सीआरपीएफ के तीनों कमांडो हटे, डीजी ने दिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश

गाजियाबाद। मशहूर कवि कुमार विश्वास की सुरक्षा में तैनात तीनों कमांडो को सीआरपीएफ ने हटा दिया है। इसी के साथ कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश भी दिये गये हैं। यह कार्रवाई कुमार विश्वास के काफिले और एक डॉक्टर के बीच हुए झगड़े के बाद की गई है। पिछले दिनों कुमार विश्वास ने सोशल मीडिया पर उनके काफिले पर हमला करना बताया था, जबकि डॉक्टर ने पुलिस को उनके साथ की गई मारपीट की सूचना दी थी। इसके बाद सीआरपीएफ ने कुमार विश्वास की सुरक्षा में लगे तीनों कमांडो को हटा लिया और इन्क्वारी के आदेश दे दिये। हटाए गए कमांडो की जगह नए कमांडो तैनात किये गये हैं। जानकारी अनुसार सीआरपीएफ ने कुमार विश्वास की सुरक्षा में तैनात कमांडो को हटा दिया है। इनकी जगह नए कमांडो तैनात भी कर दिए गए हैं। सीआरपीएफ महानिदेशक एसएल थाओसेन ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश भी दिये हैं। डीजी का कहना है कि प्रथम दृष्टया कमांडो द्वारा मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन नहीं करना पाया गया है। गौरतलब है कि सीआरपीएफ ने यह कार्रवाई गाजियाबाद में कुमार विश्वास के काफिले से कार निकालने को लेकर हुए विवाद के मद्देनजर लिया है। डॉक्टर पल्लव बाजपेई का आरोप है कि उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने पीटा था। इस मामले में गाजियाबाद पुलिस ने दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज की है। जानकारी अनुसार दोनों ही मामलों में आरोपी अज्ञात दर्शाए गए हैं। खास बात यह है कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कुमार विश्वास से इस पूरे प्रकरण में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा है।

मनीष सिसोदिया को धनतेरस पर मिली बड़ी खुशखबरी, बीमार पत्नी से मिलने की मिली इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसौदिया को शनिवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक छह घंटे के लिए अपनी बीमार पत्नी सीमा सिसौदिया से मिलने की अनुमति दी गई है। राष्ट्रीय राजधानी

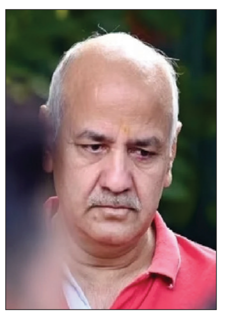

में राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने शुक्रवार को यह अनुमति दी। यह तब हुआ जब सिसोदिया ने गुरुवार को पांच दिनों की अवधि के लिए एक आवेदन दायर कर ऑटोइम्यून डिसऑर्डर और मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति मांगी थी। पूर्व मंत्री को आखिरी बार इस साल जून में अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई थी। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 में भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सिसोदिया वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद हैं। वह दो मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में हैं और दोनों में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया है। उन्हें पहले 27 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था, और फिर 9 मार्च को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के एक दिन बाद उन्होंने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

विपक्षी नेताओं को भी राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में किया जाएगा आमंत्रित

- राजनीतिक विचारधारा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा

इलाहाबाद । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में किए जाने वाले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में विपक्ष के नेताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस संबंध में जल?द ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी नेताओं को विशेष रूप से पूजे गए चावल (अक्षत) दिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक विहिप अगले साल एक जनवरी से एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत राजनीतिक संगठनों से संपर्क करना शुरू कर देगी, जो पार्टी लाइन से ऊपर उठकर होगा। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि राजनीतिक विचारधारा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। हर इच्छुक व्यक्ति को, चाहे उनकी

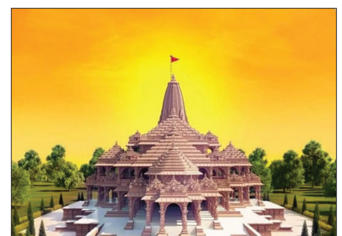

राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो, पवित्र अक्षत के साथ आमंत्रित किया जाएगा। विहिप सूत्रों ने कहा कि संगठन को साधु-संतों ने यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि राम मंदिर का उद्घाटन एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम रहे। विहिप के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह राम भक्तों का मंदिर है, एक राष्ट्र मंदिर है। विपक्षी नेताओं, मुख्य रूप से कांग्रेस के नेताओं द्वारा यह सवाल उठाए जाने के बाद कि क्या राम मंदिर का उद्घाटन एक भाजपा कार्यक्रम बन जाएगा, कुछ दिनों बाद यह घटनाक्रम काफी महत्वपूर्ण हो गया है। यह तब हुआ जब संतों और राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र के कई अधिकारियों ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मंदिर के उद्घाटन के लिए निमंत्रण दिया। 5 नवंबर को अयोध्या से रवाना किए गए अक्षत कलश विहिप की 45 प्रांतों, संगठनात्मक राज्य इकाइयों तक पहुंच चुके हैं। यहां से उन्हें पुनर्वितरित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि यह कवायद दिसंबर के अंत तक पूरी हो जाएगी, इसके बाद विहिप और उससे जुड़े समूह घरों तक पहुंचना शुरू कर देंगे। अभियान कम से कम 5 लाख गांवों और 60 करोड़ से अधिक लोगों को कवर करेगा। विहिप ने 2021 के राम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान के समान अभियान चलाने की योजना बनाई है, जब उसने राम मंदिर के निर्माण के लिए हजारों करोड़ की धनराशि एकत्र की थी। सूत्रों ने कहा कि संघर्ष के दिनों में अपना योगदान देने वाले कार सेवकों के परिवारों और अदालतों में लड़ाई लड़ने वाले वकीलों तक पहुंचने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर प्रहार, बोले-वह लाखों का सूट पहनते हैं, मैं सिर्फ सफेद टी-शर्ट में हूं

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करने के लिए आज राहुल गांधी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी ने छोटे-मध्यम व्यवसाइयों और व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया जिससे देश में भारी बेरोजगारी पैदा हुई। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश में कर्ज के कारण 18 साल में करीब 18,000 किसानों ने आत्महत्या की। राहुल ने कहा कि भाजपा की सरकार आई और उन्होंने छोटे व्यापारियों पर आक्रमण शुरू कर दिया। जीएसटी टैक्स नहीं है बल्कि ये छोटे व्यापारियों, किसानों के खिलाफ हथियार है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में पहली बार किसान टैक्स दे रहा है... भाजपा सरकार आपसे यानी गरीबों से जीएसटी लेती है और पूरा का पूरा पैसा 3-4 उद्योगपतियों को पकड़ा देती है।

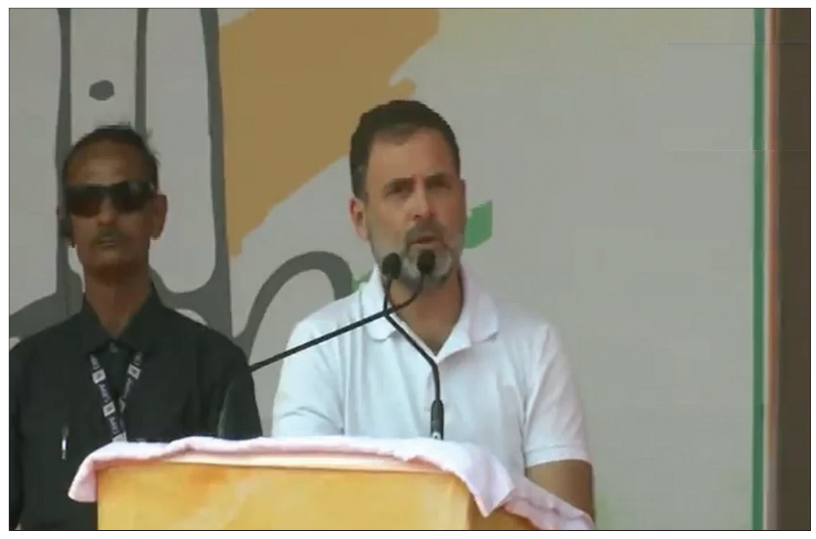

राहुल ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मैं युवाओं से पूछता था कि आपने क्या पढ़ाई की है और क्या कर रहे हो? वे कहते थे- इंजीनियरिंग की है, मेडिकल किया है, लीगल स्ट्डीज की है, लेकिन बेरोजगार हैं। जहां भी बीजेपी की सरकार है, वहां युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन पर मुझे एक युवा कुली मिला। मैंने उससे पूछा कि कुली बनने से पहले तुम्हारा सपना क्या था? उसने कहा- मैं इंजीनियर बनना चाहता, सिविल इंजीनियरिंग की है, डिग्री ली है, हजारों रुपए खर्च किए हैं। लेकिन मुझे रोजगार नहीं मिला, इसलिए कुली का काम कर रहा हूं। यह इस देश की सच्चाई है। उन्होंने कहा कि रोजगार बड़े उद्योगपति नहीं देते, रोजगार छोटे व्यापारी देते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले हिन्दुस्तान में लाखों छोटे-छोटे यूनिट हुआ करते थे, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार मिलता था। नरेंद्र मोदी जी ने छोटे व्यापारियों पर नोटबंदी और जीएसटी लगाकर आक्रमण करना शुरु कर दिया। जीएसटी टैक्स नहीं है, यह छोटे व्यापारियों को खत्म करने का हथियार है। उन्होंने कहा कि देश के दलित, आदिवासी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के गरीब लोग जीएसटी देते हैं। मोदी सरकार गरीबों से जीएसटी लेकर बैंक का पूरा पैसा 3-4 उद्योगपतियों को सौंप देती है। सतना में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, 'मैंने पीएम मोदी का भाषण सुना, वह हर भाषण में हर जगह कहते थे कि मैं ओबीसी समुदाय से हूं, वह बार-बार यह कहकर प्रधानमंत्री बन गए। वह एक दिन में कम से कम 1 सूट पहनते हैं लाखों रुपये की कीमत। क्या आपने मोदी जी को अपने कपड़े दोहराते हुए देखा है? मैं यह एक ही सफेद शर्ट पहनता हूं। क्या आप जानते हैं कि जैसे ही मैंने जाति आधारित जनगणना के बारे में बोलना शुरू किया, उनके भाषणों से जाति क्यों गायब हो गई। जब से मैंने इसके बारे में बोलना शुरू किया, मोदी ने शुरू कर दिया यह कहते हुए कि भारत में कोई जाति नहीं है।

संसद का शीतकालीन सत्र - 4 दिसंबर से शुरू होने वाले सत्र के दौरान होगी 15 बैठकें

नई दिल्ली । संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से नई संसद भवन में शुरू होगा। 22 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया ?कि सत्र में 19 दिनों के दौरान 15 बैठकें होंगी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ लगे 'पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोपों से जुड़े मामले में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट भी इस सत्र के दौरान सदन में पेश की जाएगी। समिति ने मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की अनुशंसा की है। प्रमुख आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए गए तीन प्रमुख विधेयकों पर सत्र के दौरान विचार किए जाने की संभावना है। गृह मामलों की स्थायी समिति ने हाल ही में तीन विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट को स्वीकारा है। संसद में लंबित एक अन्य प्रमुख विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित है। मानसून सत्र में पेश किए गए इस विधेयक को सरकार ने विपक्ष और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के विरोध के बीच संसद के विशेष सत्र में पारित करने पर जोर नहीं दिया। सरकार इस विधेयक के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के दर्जे को कैबिनेट सचिव के बराबर लाना चाहती है। वर्तमान में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर का दर्जा प्राप्त है।

'जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं हो सकता', प्रमोद कृष्णम बोले- कांग्रेस के कुछ नेताओं को राम और हिंदू शब्द से दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम मंदिर में 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होंगे। इन सब के बीच कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को रोकने के जो प्रयास हुए हैं उसे सारी दुनिया जानती है... राम से नफरत कौन करता है और राम के प्रति श्रद्धा किसकी है? मुझे नहीं लगता कि इस रहस्य पर कोई परदा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का हिस्सा होने का मतलब ये नहीं है कि सच को सच और झूठ को झूठ न कहा जाए। मैंने महसूस किया है कि कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें राम मंदिर से ही नहीं राम से भी नफरत है।

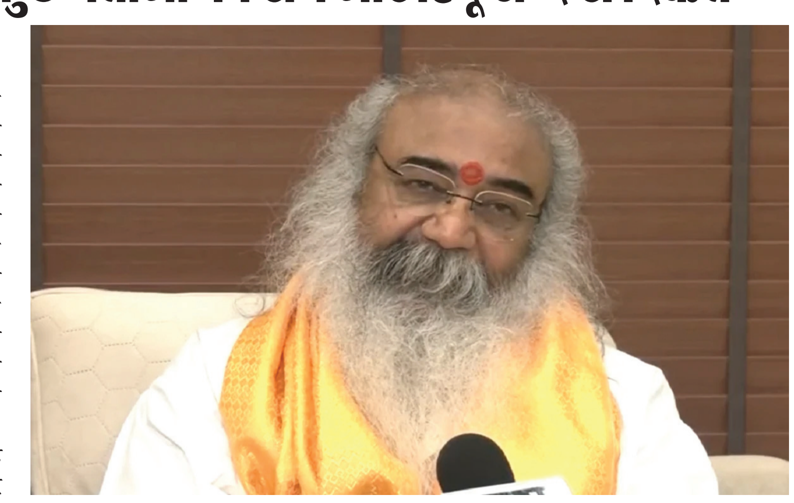

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देश का सौभाग्य है कि हम राम मंदिर के उद्घाटन के साक्षी बनेंगे। स्टार प्रचारक ना बनाए जाने को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि नाराजगी का कोई कारण नहीं है। हो सकता है उन्हें (कांग्रेस) हिंदुओं के समर्थन की जरूरत ना हो या किसी हिंदू धर्म गुरू को स्टार प्रचारक बनाने का जो मकसद होता है उन्हें उसमें कोई कमी नजर आ रही हो। ये पार्टी का निर्णय है। इंडिया गठबंधन पर उन्होंने कहा कि गठबंधन के एक साथ आने का मुख्य कारण मोदी और भाजपा सरकार को हटाना था। अफसोस की बात है कि अफसोस की बात है कि विपक्ष यह भूल गया है कि उसे अब देश से नफरत होने लगी है जबकि वह नरेंद्र मोदी से इतनी नफरत करता है।

बिहार के मुख्यमंत्री के महिलाओं पर अपमानजनक बयान और जीतन राम मांझी पर उनकी टिप्पणी पर कांग्रेस के आचार्य कृष्णम कहते हैं, 'नीतीश कुमार ने राज्य विधानसभा में महिलाओं की गरिमा को तार-तार कर दिया और इंडिया गठबंधन के किसी भी नेता ने इसके खिलाफ कुछ नहीं कहा।' विडंबना यह है कि विपक्ष अपनी गलतियों के लिए मोदी को दोषी ठहराना चाहता है और उनकी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता...नीतीश कुमार ने महिलाओं की गरिमा को तार-तार किया और भारत की संस्कृति पर काला धब्बा लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस की कोई पहचान नहीं है। संपूर्ण विपक्ष और इंडिया गठबंधन के पास प्रियंका गांधी से अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा नेता नहीं है। अगर कांग्रेस नरेंद्र मोदी को कड़ी टक्कर देना चाहती है तो प्रियंका गांधी को पीएम उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का सवाल, हमारे दखल पर ही एक्शन क्यों होता है?

-केजरीवाल सरकार ने कहा आपके निर्देश का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर शुक्रवार 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि जब हम दखल देते हैं, तभी एक्शन क्यों लिया जाता है? इससे पहले केजरीवाल सरकार ने ऑड-ईवन के फायदे गिनाते हुए कोर्ट के निर्देश पर इसे लागू करने की बात कही। इस पर कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पिछले 6 साल से क्या कर रहे थे, वो तो शायद भगवान ने दिल्ली वालों की प्रार्थनाएं सुन लीं और रात में बारिश हो गई।

दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने कहा कि हम नतीजे देखना चाहते हैं। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की डबल बेंच ने दिल्ली सरकार से पूछा कि पिछले 6 साल से आप क्या कर रहे थे। शायद भगवान ने दिल्ली के लोगों की प्रार्थनाएं सुन लीं। इसलिए गुरुवार रात बारिश हो गई। कोर्ट को दिल्ली सरकार के वकील ने ऑड-ईवन के फायदे गिनाए। सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि हमारे पास एक स्टडी है, जिससे स्पष्ट होता है कि ऑड-ईवन से प्रदूषण कम करने में मदद मिलती है। हम इसे कोर्ट के निर्देश पर लागू करेंगे। इस पर जस्टिस कौल का कहना था कि इससे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का क्या लेना-देना है? आप वही करेंगे, आपको जो करना है। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले को लेकर 21 नवंबर को सुनवाई होगी। वकील ने कोर्ट को बतलाया कि पराली जलाने की घटनाओं पर एनजीटी ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि बारिश का इंतजार करने के अलावा पराली जलाने से रोकने के लिए क्या किया जा रहा है? अगर कोई पराली जलाता है तो उसे सब्सिडी नहीं मिलेगी...ऐसा कुछ करना होगा। प्रदूषण मामले में अदालत काफी गंभीर नजर आई है। जस्टिस अमानुल्लाह ने अपनी टिप्पणी में यहां तक कहा है कि प्रदूषण फैलाने के मामले में सामूहिक जुर्माना या संपत्ति की कुर्की भी की जा सकती है।

6 माह बाद भी नहीं पता चला सीमा जासूस हैं की नहीं

-जांच एजेंसियों रिपोर्ट का कर रही इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से 4 बच्चों के साथ आई सीमा हैदर जासूस है या नहीं, 6 माह बाद भी इसकी जांच ही चल रही है। अब तक न सीमा के मोबाइल फोन की फोरेंसिक रिपोर्ट आई, न ही कोई टेस्ट हुआ है। जांच एजेंसियों ने 4 पेज का एक डॉक्यूमेंट पाकिस्तान, नेपाल और दुबई भेजा है। तीनों देशों के सरकारें इनका वेरिफिकेशन करेंगी, उसके बाद भारत में जांच आगे बढ़ेगी।

बात दें कि जांच एजेंसियों की ओर से सीमा को क्लीन चिट नहीं मिली है, लेकिन वे पति सचिन के साथ जिदंगी जी रही हैं। सीमा बताती हैं कि टीवी शो बिग बॉस और द कपिल शर्मा शो से उनके पास ऑफर आया था। कुछ फिल्में भी ऑफर हुई थीं।

सीमा नेपाल के रास्ते 10 मई, 2023 को भारत आई थीं। गैरकानूनी तरीके से भारत आने की वजह से पुलिस ने 4 जुलाई को उन्हें अरेस्ट कर लिया था। पाकिस्तानी होने की वजह से खुफिया एजेंसियां भी जांच में शामिल हो गईं। एक्सपर्ट्स ने शक जताया था कि कुछ ही दिनों में जैसे सीमा भारतीय तौर तरीकों में रच-बस गई है, वैसा मजबूत ट्रेनिंग से ही हो सकता है। तब सकुचाई सी दिखने वाली सीमा अब कॉन्फिडेंट यूट्यूबर बन चुकी हैं। उनका यू-ट्यूब चैनल मोनेटाइज हो गया है। 9 लाख सब्सक्राइबर हैं। यूट्यूब से एक बार 55 हजार रुपए मिले भी हैं।

अपने खिलाफ चल रही जांच से बेफिक्र सीमा सचिन और उनके परिवार के साथ रबूपुरा में रह रही हैं। सचिन के घर में उनका अलग कमरा बन गया है। ये पूरे घर में सबसे शानदार है। हम घर पहुंचे, तब देखा कि लाल रंग की चुनरी, पीले रंग का लहंगा, माथे पर बिंदी लगाए, सजी-संवरी सीमा 4 महीने पहले की सीमा से काफी अलग हैं। सीमा हमें अपने कमरे में ले गईं। ये कमरा पहले नहीं था। एक दीवार पर राधा-कृष्ण की फोटो लगी है। दूसरी दीवार पर एडवोकेट एपी सिंह, पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो है। अलमारियों में क्रॉकरी, मूर्तियां और सीमा के गहने रखे हैं।

8 पूर्व नौसैनिकों की सजा-ए-मौत के खिलाफ ऊपरी अदालत पहुंचा भारत

-विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने कतर की कैद में मौजूद 8 पूर्व नौसैनिकों की सजा-ए-मौत के खिलाफ कतर की ऊपरी अदालत में अपील दायर कर दी है। इसकी जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने दी। बागची के मुताबिक इसके अलावा भारत को इन सैनिकों से मुलाकात के लिए दूसरा कॉन्स्यूलर एक्सेस भी मिल गया है। भारत सरकार कतर के लगातार संपर्क में है। कतर में जिन 8 पूर्व नौसेना अफसरों को मौत की सजा दी गई है उनके नाम हैं, कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश।

बागची के मुताबिक भारत को मामले में दूसरी बार कॉन्स्यूलर एक्सेस मिला है। भारत सरकार इस मामले में कतर की अथॉरिटीज के संपर्क में है। कतर में 'कोर्ट ऑफ फर्स्ट इन्सटेंस' ने यह सजा सुनाई थी। यह फैसला गोपनीय रखा गया है और इस सिर्फ आरोपियों की लीगल टीम के साथ शेयर किया गया है। भारत ने सजा के खिलाफ वहां की हायर कोर्ट में अपील दायर कर दी है। कतर में तीन तरह की कानूनी निजाम है। कोर्ट ऑफ फर्स्ट इन्सटेंस ने यह सजा सुनाई थी। जिस निचली अदालत कहा जा सकता है। इसके बाद द अपील कोर्ट होता है। इन कोर्ट को हमारे हाईकोर्ट्स की तरह देखा जा सकता है। तीसरी और सर्वोच्च अदालत कोर्ट ऑफ कंसेशन है जिसे सुप्रीम कोर्ट कहा जा सकता है। बहरहाल, इसके अलावा कतर के नेशनल डे (18 दिसंबर) को यहां के अमीर कई आरोपियों की सजा माफ करते हैं।

हालांकि, मामले की गंभीरता, संवेदनशीलता और गोपनीयता को देखकर यह मामला पहले अदालतों में ही खत्म होगा। इसके बाद अगर जरूरी हुआ तब भारत टॉप लेवल पर कतर के शाही परिवार के सामने उठा सकता है। ये भारतीय एक साल से कतर की अलग-अलग जेलों में कैद हैं। कतर की इंटेलिजेंस एजेंसी के स्टेट सिक्योरिटी ब्यूरो ने इंडियन नेवी के 8 पूर्व अफसरों को 30 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया था। हालांकि भारतीय दूतावास को सितंबर के मध्य में पहली बार इनकी गिरफ्तारी के बारे में बताया गया। 30 सितंबर को इन भारतीयों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी देर के लिए टेलीफोन पर बात करने की मंजूरी दी गई।

सांसदी बचना मुश्किल, गलती पर गलती करती रहीं महुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोपों का सामना कर रही टीएमसी सांसद महुआ मोहत्री की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं है। उनकी सांसदी जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने जिस तरह से गलती पर गलती की है उसे देखकर नहीं लगता कि उनके बच निकलने के कोई चांस हैं। बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने टीएमसी की सांसद मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत लेने का आरोप लगाया है. उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मोइत्रा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने का आग्रह किया था। एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर ने बताया कि 'रिपोर्ट स्वीकार कर ली गई है। कुछ सदस्यों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन बहुमत रिपोर्ट को अपनाने के पक्ष में था। अब रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को भेजी जा रही है।' सोनकर ने कहा कि छह सदस्यों ने मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश के पक्ष में और चार सदस्यों ने विरोध में मतदान किया। पैनल की सदस्य भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी के मुताबिक पंजाब के पूर्व सीएम और भाजपा नेता अमरिंदर सिंह की पत्नी कांग्रेस सांसद परनीत कौर ने मोइत्रा के निष्कासन के पक्ष में मतदान किया। परनीत कौर पर सोनकर ने कहा कि 'जो लोग सच्चाई के लिए हमारे साथ हैं, मैं उनका स्वागत करता हूं। संसद की गरिमा बचाने के लिए यह अच्छा संकेत है। यह उनका स्वागत योग्य कदम है।' फरवरी में कौर को कांग्रेस ने इस आरोप में निलंबित कर दिया था कि वह पंजाब में भाजपा की मदद कर रही थीं। उनके पति अमरिन्दर सिंह और बेटी जय इंदर कौर पिछले साल भाजपा में शामिल हुए थे। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भी कहा कि परनीत कौर ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'पंजाब हमेशा भारत की पहचान और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खड़ा रहा है। आज फिर कैप्टन अमरिन्दर सिंह जी और कांग्रेस पार्टी की सांसद परनीत कौर जी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई समझौता नहीं किया। भारत पंजाब के बहादुर लोगों का हमेशा आभारी था, है और रहेगा।' गौरतलब है कि 2 नवंबर को महुआ मोइत्रा कथित 'कैश-फॉर-क्वेरी' मामले में लोकसभा आचार समिति के सामने पेश हुईं और बाद में यह कहते हुए बैठक से बाहर चली गईं कि सवाल 'स्क्रिप्टेड और गंदे' थे। लोकसभा की आचार समिति ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'कैश फॉर क्वेरी' आरोपों की जांच के मामले में उन्हें सांसद पद से निष्कासित करने की सिफारिश की है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि संसदीय पैनल ने कहा है कि महुआ मोइत्रा का आचरण 'अनैतिक और जघन्य' प्रकृति का था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धनतेरस पर ज्वेलरी बाजार में ग्राहकों की भीड़

ग्राहकों द्वारा चांदी के सिक्के, सोने की खरीदारी की गयी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। धनतेरस के दिन सोना खरीदना भी शुभ माना जाता है। नतीजतन, सूरत के आभूषण बाजार में सुबह से ही सोने और चांदी की खरीदारी देखी गई। आभूषण कारोबारी कह रहे हैं कि हर साल की तुलना में इस साल धनतेरस पर ग्राहकों ने सोने-चांदी की खरीदारी कम की है। सूरत के बाजार में सुबह से ही सोना-चांदी खरीदने के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। पुष्य नक्षत्र के दौरान व्यापारियों को मनचाहा व्यापार नहीं मिलता था। लेकिन आज धनतेरस के मौके पर सुबह से ही बाजार में ग्राहक नजर आ रहे हैं। ग्राहक चांदी के सिक्के, सोना खरीद रहे हैं। हालांकि, हर साल की तुलना में इस साल उपभोक्ताओं ने खरीदारी में कटौती जरूर की है। वहीं दूसरी ओर सोने की कीमत भी काफी हद तक कम हो जाने के कारण उपभोक्ताओं ने मुर्हत की जमकर खरीदारी की है। इस वर्ष धनतेरस पर सुबह का मुहूर्त था। शहर के घोडदौड रोड पर जाने माने तनिष्क ज्वैलर्स शो रूम में सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगातार देखी गई। धनतेरस पर लोगों ने खरीदारी तय कर ली है और खरीदारी कर पल बचा लिया है। शादी के आभूषणों की बुकिंग भी की जा रही है। इस साल सालाना खरीद में कमी आई है। लोग धनतेरस का मुर्हत संभालने के लिए खरीदारी का समय बचाने के लिए एडवान्स बुकिंग करके ज्वैलर के शो रूम में आते नजर आए।

मिलेनियम 2 मार्केट में आग,दमकल विभाग ने हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से आग पर काबू पाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत के भाठेना इलाके में स्थित मिलेनियम-2 मार्केट की चौथी मंजिल पर एक कपड़ा दुकान में आग लग गई। आग इतनी विकराल हो गई कि दूर-दूर तक धुआं दिखाई दे रहा था। जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।आग पर काबू पाने के लिए पांच से ज्यादा फायर स्टेशनों से 12 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुंचीं। सौभाग्य से इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। मिलेनियम-2 मार्केट की चौथी मंजिल पर मातारानी नाम की दुकान में अचानक आग लग गई। मार्केट की चौथी मंजिल पर एक दुकान में आग लग गई। आग ने भीषण रूप धारण कर लिया और कई दुकानें आग की चपेट में आ गईं। घटना के बाद आग के धुएं का गुबार देखा गया। आग की घटना के बाद मार्केट में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गई। तुरंत ही दमकल विभाग का बेड़ा मौके पर पहुंच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पांच से ज्यादा अलग-अलग फायर स्टेशनों से फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने की कोशिश की। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि आग की कॉल मिलने के बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे। आग की भयावहता अधिक होने के कारण अलग-अलग फायर स्टेशनों से गाडियों को मौके पर बुलाया गया। चौथी मंजिल पर एक कपड़ा दुकान में आग लगने पर हाइड्रोलिक फायर ट्रक का इस्तेमाल किया गया। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों द्वारा मार्केट गैलरी में शीशे तोड़ने के सात आग बुझाने का प्रयास किया। उन्होंने आगे कहा कि शुरूआती जांच के मुताबिक दुकान में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी मानी जा रही है। शॉर्ट सर्किट के कारण आग तेजी से दुकान में रखे कपड़ों तक फैल गई। जिससे आग ने उग्र रूप धारण कर लिया। दिवाली का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में लोग काम कर रहे थे। आग लगने की सूचना मिलते ही भगदड़ मच गई। गनीमत यह रही कि इस आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दिवाली पर ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का मुक्कि क्षमता से चार गुना अधिक यात्रा करने को मजबूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत एक औद्योगिक शहर है, यहां कई राज्यों के लोग रहते हैं। रोजगार की तलाश में आने वाले लोगों ने सूरत को अपनी कर्मभूमि बना लिया है। दिवाली के त्योहार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के लोग भी रोजगार के उद्देश्य से सूरत में रहते हैं। शहर में रहने वाले ये प्रवासी दिवाली तथा छठ त्यौहार मनाने के लिए अपने मूल स्थान उत्तर भारत के लिए रवाना हो गए हैं। हालाँकि, सूरत के प्रवासियों के लिए रेलवे स्टेशन पर छपरा जाने वाली तापी गंगा एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा करने के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्री सूरत रेलवे स्टेशन पर उमड़ रहे हैं। मानो रेलवे स्टेशन पर मेला लगा हो। जनरल कोच में बैठने के लिए यात्री 24 से 48 घंटे तक लाइन में खड़े रहे। इतने लंबे इंतजार के बाद भी कोई सीट

को ध्यान में रखते हुए लोग अपने वतन जा रहे हैं। खासकर बिहार के सूरत में रहने वाले लाखों लोग छठ पूजा के लिए अपने गृहनगर जा रहे हैं। नतीजन सूरत रेलवे स्टेशन की हालत खस्ता हो गई है। सूरत एक महानगरीय शहर है, सूरत को लघु भारत के नाम से भी जाना जाता है। अपनी मातृभूमि की लालसा बहुत अधिक हो रही है। 1700 की क्षमता वाली ट्रेन में 5000 से ज्यादा यात्री सफर करने को मजबूर हैं। दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों के दौरान सूरत में रहने वाले हजारों उत्तर भारतीय अपने गृहनगर जा रहे हैं। सूरत नहीं मिली। कुछ यात्री खिड़की में तो कुछ शौचालय में बैठने को मजबूर हैं। कुछ यात्री ऐसे भी हैं जो टिकट होने के बावजूद ट्रेन में जगह नहीं होने के कारण यात्रा नहीं कर सके। भीड़ अधिक होने के कारण टिकट लेकर खड़े यात्री ट्रेन में नहीं चढ़ सके।

1344 करोड़ से बनने वाले नगर निगम के नए भवन का निर्माण कार्य 11.4 प्रतिशत पूरा हुआ

28 मंजिल की 2 इमारतों में से 1 में अन्य सरकारी कार्यालय भी होंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत नगर निगम के प्रतिष्ठित प्रशासनिक भवन का काम जोरों पर चल रहा है। पहली बार किसी भी नगर निगम भवन में बिना रूके 42 घंटे तक राफ्ट फाउंडेशन का काम किया गया। बुधवार रात 12 बजे से लगातार 42 घंटे तक चले स्पैन भराई कार्य का महापौर समेत पदाधिकारियों तथा अधिकारियों ने निरिक्षण किया। अब तक पूरे प्रोजेक्ट का 11.4 फीसदी काम पूरा हो चुका है।मेयर दक्षेश मावानी ने बताया कि बरसात के दौरान भी हर माह लगभग 2 प्रतिशत काम हुआ है।अनुमान है कि 200 करोड़ रूपये खर्च किये गये हैं। प्रशासनिक भवन का काम पिछले ६ माह से चल रहा है। बेसमेंट का काम अप्रैल तक 4 मंजिल तक पूरा करने का लक्ष्य है। बिल्डिंग की जमीन के नीचे 4 मंजिल तक बेसमेंट बनाया जाएगा। जिसमें 1500 कारें, 2900 दोपहिया वाहन पार्क होंगे। 4400 वाहनों के लिए 4 मंजिला भूमिगत पार्किंग की सुविधा होगी। आमसभा के लिए हॉल में 200 लोगों के बैठने की व्यवस्थाकीजायेगी।प्रशासनिक भवन का निर्माण 1344 करोड़ रूपये की लागत से किया जा रहा है। दो 28 मंजिला इमारतों में से एक में अन्य सरकारी कार्यालय भी होंगे।

दिवाली पर ट्रेनें पैक होने से एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाया किराया 314 प्रतिशत तक बढ़ाया

शारजाह का किराया 22 हजार, चेन्नई 19 हजार, दिल्ली 18 हजार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिलने का फायदा एयरलाइंस ने उठाया है। इस बार दिवाली में एयरलाइंस कंपनियां यात्रियों की जेब खाली कर रही हैं। दिवाली पर हवाई किराया सामान्य दिनों की तुलना में 41 प्रतिशत से 314 प्रतिशत तक बढ़ गया है। आने वाले दिनों में एयरलाइंस अभी भी हवाई किराए में बढ़ोतरी कर सकती हैं। भारतीय रेलवे की गाइडलाइन के मुताबिक, यात्री ट्रेन में तभी सफर कर सकते हैं, जब उनके पास कन्फर्म टिकट हो। हालांकि, दिवाली के त्योहार के कारण उत्तर और दक्षिण भारत जाने वाली कुछ ट्रेनों में 'नो रूम' की स्थिति है, जबकि कुछ ट्रेनों में 300 से ज्यादा वेटिंग देखने को मिल रही है।करीब एक साल पहले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने उड़ान के हवाई किराए पर नियंत्रण हटा दिया था। इस प्रकार, एयरलाइंस ने इस स्थिति का फायदा उठाया है और हवाई किराए में 41 प्रतिशत से 314 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। सूरत एक व्यापारिक शहर है और इसमें रहने वाले अधिकांश मजदूर उत्तर और दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों या गांवों से आते हैं। वहीं अब एयरलाइंस कंपनियों ने भी हवाई किराया बढ़ा दिया है। इसके अलावा पर्यटन स्थलों के लिए हवाई किराए भी आसमान पर नजर

एसटी को दिवाली त्योहार की असर, दो दिन में 38.88 लाख रूपए का राजस्व

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत एसटी डिविजन में दिवाली त्यौहार को लेकर अधिक पेसेन्जर मिलने से अधिक राजस्व मिल रहा है। सूरत से राज्य के अन्य शहरों के लिए ट्रेन सुविधाओं की कमी का सीधा फायदा सूरत एसटी को हो रहा है। सूरत से राज्य के अन्य शहरों के लिए 1000 बसें रवाना होंगी। पिछले दो दिनों में एसटी विभाग को 38.88 लाख रूपये की कमाई हुई है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे